Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 123 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, मंगलवार 17 नवम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार



जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) द्वारा राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर आयोजित भव्य समारोह

पत्रकारिता में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी के बीच संतुलन आवश्यक : अश्विनी वैष्णव

- मीडिया को तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के अनुरूप ढलना होगाः अश्विनी वैष्णव
- कम शोर, अधिक समाचार; कम सनसनी, अधिक जिम्मेदारीः रजत शर्मा
- पीसीआई की अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई ने नैतिक, सटीक और जिम्मेदार पत्रकारिता पर जोर दिया
- एआई पत्रकारिता में सहायक हो सकता है, लेकिन संपादकीय विवेक और जवाबदेही मानवीय ही रहनी चाहिएः चंचल कुमार सचिव, सूचना

















नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, रेल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज नई दिल्ली स्थित आकाशवाणी भवन के रंगभवन सभागार में भारतीय प्रेस परिषद (पीसीआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रेस दिवस समारोह को संबोधित किया।

लोकतंत्र को मजबूत करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए, उन्होंने मीडिया पेशेवरों से तेजी से बदलते मीडिया परिदृश्य और तकनीकी प्रगति के अनुरूप खुद को ढालने का आह्वान किया। उन्होंने जिम्मेदार पत्रकारिता को बनाए रखने और समाज के प्रति मीडिया की जिम्मेदारी के महत्व पर बल दिया।

इस कार्यक्रम में पीसीआई की अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्य भाषण देने वाले प्रख्यात पत्रकार श्री रजत शर्मा और पीसीआई के सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी उपस्थित थे।

इस वर्ष की थीम पत्रकारिता : सनसनी या जिम्मेदार ने सूचनाओं के तीव्र प्रसार और बढ़ते डिजिटल प्रभाव के इस युग में पत्रकारिता की बदलती भूमिका को उजागर किया ।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री अश्विनी वैष्णव ने तकनीकी परिवर्तन की अभूतपूर्व गति पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में पिछले दो दशकों की तुलना में अधिक बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। उन्होंने युवा पत्रकारों को बदलाव को अपनाने और अपने कौशल को निरंतर उन्नत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डिजिटल प्लेटफार्मों की जवाबदेही पर जोर देते हुए उन्होंने इस बात पर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए कि क्या बढ़ती गलत सूचनाओं (मिसइंफॉर्मेशन), डीपफेक, भ्रामक विज्ञापनों, डिजिटल अरेस्ट और बच्चों को प्रभावित करने वाली हानिकारक सामग्री के सामने सामुदायिक दिशानिर्देश (कम्युनिटी गाइडलाइंस) पर्याप्त हैं। उन्होंने इस बात पर विचार-विमर्श करने की आवश्यकता पर बल दिया कि नागरिकों को सशक्त बनाने और उभरती चुनौतियों का समाधान करने के लिए इस बदलते मीडिया परिदृश्य को कैसे विनियमित किया जाए।

मुख्य भाषण देते इस बात पर जोर दिया कि सनसनी और जिम्मेदारी के बीच एक बहुत ही महीन रेखा होती है। उन्होंने संपादकीय विवेक और जिम्मेदार रिपोर्टिंग के महत्व को प्रमुखता से रखा। आपातकाल, 26/11 मुंबई आतंकी हमलों और 'ऑपरेशन सिंदूर' के अनुभवों को याद करते हुए उन्होंने विशेष रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों की रिपोर्टिंग करते समय संयम, सत्यापन और संवेदनशीलता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला । डिजिटल मीडिया इकोसिस्टम में अधिक जवाबदेही का आह्वान करते हुए उन्होंने पत्रकारों से सनसनी के बजाय सटीकता को प्राथमिकता देने का आग्रह किया और इस संदेश के साथ अपनी बात समाप्त की: कम शोर, अधिक समाचार; कम सनसनी, अधिक जिम्मेदारी ।

पीसीआई की अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना प्रकाश देसाई ने प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने और पत्रकारिता के मानकों में सुधार करने के प्रति परिषद की प्रतिबद्धता को दोहराया । मीडिया परिदृश्य में तेजी से हो रहे बदलावों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति ने सूचनाओं को सेकंडों में लाखों लोगों तक सुलभ बना दिया है । उन्होंने कहा कि फोन और इंटरनेट कनेक्शन वाला कोई भी व्यक्ति अब समाचार प्रसारक बन सकता है, लेकिन समाचार की रिपोर्टिंग करने वाला हर व्यक्ति पत्रकारिता की नैतिकता में प्रशिक्षित या उससे बंधा हुआ नहीं है ।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री चंचल कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारिता को जन जुड़ाव (पब्लिक एंगेजमेंट) और विश्वसनीयता के बीच संतुलन बनाना चाहिए । उन्होंने कहा कि लोकप्रियता को सत्य पर हावी नहीं होने देना चाहिए और न ही वायरल होने की होड़ को तथ्यों के सत्यापन से अधिक महत्व दिया जाना चाहिए । टीआरपी, क्लिक्स और डिजिटल एंगेजमेंट के बढ़ते प्रभाव को उजागर करते हुए उन्होंने संपादकीय विवेक, फैक्ट-चेकिंग (तथ्य जांच) और समाचार व विचार के बीच अंतर करने के महत्व पर बल दिया । उन्होंने रेखांकित किया कि एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) पत्रकारिता में सहायता कर सकता है, लेकिन यह एक पत्रकार की जिम्मेदारी नहीं ले सकता।

पीसीआई के सदस्य और राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने अंतरराष्ट्रीय सूचकांकों (इंटरनेशनल इंडेक्स) के आलोचनात्मक परीक्षण का आह्वान किया और इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे भारत विकास की एक नई दिशा की ओर बढ़ रहा है, सत्यनिष्ठा और सूचना का जिम्मेदार प्रसार अत्यंत आवश्यक है ।

समारोह का एक मुख्य आकर्षण भारतीय प्रेस परिषद द्वारा 'पत्रकारिता आचरण के मानदंडों के 2026 संस्करण' का विमोचन था, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर अद्यतन दिशानिर्देश शामिल किए गए हैं: -

- प्राकृतिक आपदाओं और संघर्ष की स्थितियों के दौरान रिपोर्टिंग।
- विरोध प्रदर्शनों और धरनों की कवरेज।
- यौनकर्मियों (सेक्स वर्कर्स) और दिव्यांगजनों से संबंधित रिपोर्टिंग।
- बच्चों की निजता की सुरक्षा।
- ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम, 2025 के अनुरूप ऑनलाइन मनी गेम्स से संबंधित विज्ञापन ।

भारतीय प्रेस परिषद के बारे में स्वतंत्र और जिम्मेदार रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के लिए प्रिंट मीडिया को एक आंतरिक स्व-नियामक तंत्र प्रदान करने के उद्देश्य से संसद के एक अधिनियम द्वारा 1966 में एक अर्ध-न्यायिक प्राधिकरण के रूप में भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की गई थी और 1979 में इसकी पुन: स्थापना की गई । अपनी स्थापना के बाद से ही परिषद ने प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा और संरक्षण करने तथा देश में समाचार पत्रों और समाचार एजेंसियों के मानकों को ऊंचा उठाने का निरंतर प्रयास किया है ।

राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित इस भव्य समारोह में प्रेस काउंसिल आफ इंडिया के सदस्य गणों के साथ सरकार की विभिन्न सूचना संस्थाओं के प्रमुख, भारी संख्या में प्रबुद्ध जन, वरिष्ठ पत्रकार संपादकों के साथ पत्रकारिता विश्वविद्यालय की छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए।

समारोह के अंत में परिषद की सचिव श्रीमती शुभा गुप्ता द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

समारोह के मुख्य वक्ता एवं इंडिया टीवी के संपादक श्री रजत शर्मा के साथ राष्ट्रीय पत्रिकरता दिवस के कार्यक्रम में भाग लेते हुए श्री प्रदीप कुमार जैन सदस्य प्रेस काउंसिल आफइंडिया संपादक दैनिक विश्व परिवार। आपके साथ हैं सदस्य प्रेस काउंसिल ऑफ़इंडिया श्री रजा रिजवी एवं श्री बृजलाल सदस्य राज्यसभा आईपीएस (सेवानिवृत्त)

सीआरपीएफ पर हमला करने वाले 2 आतंकियों का एनकाउंटर

- एक का शव बरामद, 5 दिन पहले कुलगाम में जवानों पर 30 राउंड फायर किए थे



श्रीनगर। सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने ङ्क पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। सुरक्षा एजेंसियों ने उमर की लाश बरामद कर ली है, लेकिन लतीफ की बॉडी नहीं मिली है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में लतीफ के घायल होने और छिपे होने की खबर है। सर्च ऑपरेशन जारी है। मारा गया आतंकी लतीफ भट इस साल कुलगाम और अनंतनाग में हुए सिलसिलेवार हमलों में शामिल था। इनमें अनंतनाग के लाल चौक में पुलिसकर्मियों की हत्या और कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या शामिल है।

मारा गया आतंकी लतीफ भट इस साल कुलगाम और अनंतनाग में हुए सिलसिलेवार हमलों में शामिल था। इनमें अनंतनाग के लाल चौक में पुलिसकर्मियों की हत्या और कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या शामिल है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपकुमारी की उपस्थिति में दो दिवसीय कार्यसमिति की बैठक



रायपुर। नया रायपुर स्थित जैमन मानस भवन में आज भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, महिला मोर्चा प्रदेश प्रभारी सुभाष तिवारी, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभा अवस्थी सहित महिला मोर्चा की पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहीं।

रायपुर की प्रियंका ने वर्ल्ड थाई बॉक्सिंग-चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

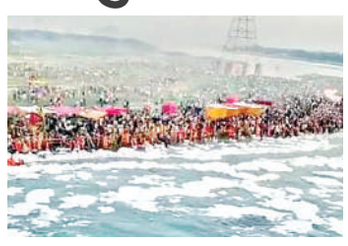
- छत्तीसगढ़ से अकेली पार्टिसिपेंट थीं, म्यूजिकल एकल इवेंट में हासिल किया स्वर्ण



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर की थाई बॉक्सिंग खिलाड़ी प्रियंका साहू ने गोवा में आयोजित तृतीय वर्ल्ड थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने म्यूजिकल एकल इवेंट में यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता में प्रियंका छत्तीसगढ़ की एकमात्र खिलाड़ी थीं। चैंपियनशिप में उनके प्रदर्शन से प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। यह प्रतियोगिता 13 से 15 नवंबर तक गोवा के मापुसा स्थित पीडिम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बॉक्सिंग हॉल में हुई। इसका आयोजन थाई बॉक्सिंग इंडियन फेडरेशन (टीआईएफ) ने वर्ल्ड थाई बॉक्सिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में किया था। पदक वितरण फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सुमनाक्षर और महासचिव रविंदर सिंह ने किया। प्रतियोगिता में विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के कारण अलग-अलग राज्यों के भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले कराए गए। इसके लिए कुछ वजन वर्गों में भी बदलाव किया गया। प्रियंका का निर्धारित वजन वर्ग माइनस 40 किलोग्राम था, लेकिन इस वर्ग में दूसरा खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होने से उनका मुकाबला रद्द कर दिया गया।

हजारों करोड़ खर्च, फिर भी यमुना नदी प्रदुषितः सुप्रीम कोर्ट

- राज्यों पर कसा शिकंजा, खराब पानी तो लगेगा भारी जुर्माना



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि नदी की खराब हालत इसके किनारे बसे शहरों, कस्बों और गांवों के नागरिक प्रशासन की सभी कमियों को दर्शाती है। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने टिप्पणी की कि सफाई के नाम पर हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद नदी का प्रदूषण कम होने के बजाय और बढ़ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नदी की सफाई पर भारी रकम खर्च करने के बावजूद यमुना में प्रदूषण कम होने के बजाय बढ़ा ही है। कोर्ट ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह उन जगहों पर पानी की गुणवत्ता की निगरानी करे, जहां यमुना और उसके मुख्य नाले अलग-अलग राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और जिलों में प्रवेश करते हैं या उनसे बाहर निकलते हैं। 4 नवंबर के एक आदेश में, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कहा कि औद्योगिक प्रदूषकों और बिना साफ किए गए सीवेज को उनके स्रोत पर ही रोका जाना चाहिए। केवल और अधिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बना देने से ही नदी को साफ नहीं किया जा सकता।

विकास के साथ अपनी गौरवशाली विरासत को सहेजना भी हमारी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- जनजातीय नायकों का साहस, संघर्ष और बलिदान हमारी राष्ट्रीय चेतना और गौरवशाली इतिहास का अमूल्य हिस्सा : मुख्यमंत्री



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए जनजातीय वीर नायकों का संघर्ष और बलिदान हमारी गौरवशाली विरासत का अमूल्य हिस्सा है। इन महानायकों ने न केवल मातृभूमि की आजादी के लिए संघर्ष किया, बल्कि अपनी संस्कृति, परंपराओं, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए भी अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका जीवन हमें साहस, एकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री श्री साय आज बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 'स्वतंत्रता संघर्ष में जनजातीय नायकों का योगदान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकास के साथ अपनी गौरवशाली विरासत को सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुँचाना भी हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने जनजातीय वीथिका का अवलोकन कर जनजातीय वीर नायकों के जीवन, संघर्ष और बलिदान पर आधारित प्रदर्शनी की सराहना की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने मात्र 25 वर्ष के जीवन में अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध ऐतिहासिक संघर्ष किया। जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने जनजातीय समाज को संगठित किया और उलगुलान आंदोलन के माध्यम से अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी। उनका साहस, स्वाभिमान और बलिदान आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती जनजातीय वीरों के साहस और बलिदान की साक्षी रही है। शहीद वीर नारायण सिंह ने अकाल के समय भूखी जनता की सहायता के लिए संघर्ष किया और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई। इसी प्रकार अनेक जनजातीय नायकों ने देश की स्वतंत्रता और समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

फिलीपींस में पीएम मोदी का खास अंदाज

- बारोंग तागालोग पहनकर रात्रिभोज में हुए शामिल



मनीला। फ्लिपींस की यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया गया। फ्लिपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुआल्डेज मार्कोस जूनियर ने उनके सम्मान में विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी फ्लिपींस की पारंपरिक पुरुष औपचारिक पोशाक 'बारोंग तागालोग' पहनकर पहुंचे। उन्होंने रात्रिभोज स्थल तक पहुंचने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए बैटरी चालित ऑटो रिक्शा की सवारी भी की। प्रधानमंत्री यहां 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर और फर्स्ट लेडी लुईस अरनेटा-मार्कोस ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने फ्लिपींस की पारंपरिक पुरुष औपचारिक पोशाक 'बारोंग तागालोग' पहनी हुई थी, जो इस कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही।

खास ऑटो रिक्शा से पहुंचे रात्रिभोज स्थल

प्रधानमंत्री मोदी ने रात्रिभोज परिसर तक पहुंचने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए बैटरी से चलने वाले ऑटो रिक्शा की सवारी की। यह ऑटो रिक्शा विशेष अतिथियों के स्वागत और उनके आवागमन के लिए तैयार किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर फ्लिपींस पहुंचे हैं।

डीएड अभ्यर्थियों ने किया शिक्षा-मंत्री के बंगले का घेराव



रायपुर। रायपुर में 2300 सहायक शिक्षक पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर डीएड अभ्यर्थियों ने 11 दिन के भीतर दूसरी बार शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बंगले का घेराव किया। इससे पहले 5 नवंबर को भी अभ्यर्थियों ने मंत्री के बंगले में घुसकर धरना दिया था। सोमवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपने परिजनों के साथ बंगले के बाहर पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश कर रही है। इस दौरान कुछ लोगों को पुलिस गाड़ी में बैठाकर ले गई।

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, मंगलवार 17 नवम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
2

जनजातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा जी की 151वीं जयंती पर जनजातीय नायकों को किया नमन



रायपुर (विश्व परिवार)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी 151वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आज टाउन हॉल सिंघौरी, बेमेतरा में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर जनजातीय नायकों को नमन की।इस कार्यक्रम में लाभार्थियों एवं हितग्राहियों का सम्मान, समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं एवं नागरिकों का सम्मान कर उन्हें शुभकामनाएं दी।

छत्तीसगढ़ की आत्मा जनजातीय संस्कृति में बसती है। हमारे जनजातीय नायकों के शौर्य, वीरता एवं बलिदान से हमारा जल-जंगल-जमीन सुरक्षित है। छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम में उनका संघर्ष, त्याग और मातृभूमि के प्रति उनके अतुलनीय योगदान का स्मरण किया। उनका जीवन जनजातीय समाज के स्वाभिमान, अधिकारों और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

इस कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू जी, साजा विधायक श्री ईश्वर साहू जी, पूर्व विधायक श्री अवधेश चंदेल जी, प्रदेश मंत्री श्रीमती संध्या परगनिया जी, अनुसूचित जाति आयोग सदस्य श्री दयावंत बांधे जी, आदिवासी समाज अध्यक्ष श्री मूरोत राम मंडावी जी, गोंड समाज अध्यक्ष श्री डी एस नेताम जी सहित जिला कलेक्टर एवं जिला प्रशासन के अधिकारीगण, भाजपा पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण, समाज के सम्माननीय जन सहित विशाल संख्या में जनजातीय भाई बहन उपस्थित रहें।छत्तीसगढ़ के सभी जनजातीय नायकों को शत-शत् नमन।

धान खरीदी : बिरोदा गांव में केंद्र बदलने के फैसले ने किसानों की परेशानी बढ़ी

रायपुर। धान खरीदी शुरू होने के पहले ही दिन अभनपुर क्षेत्र के बिरोदा गांव में केंद्र बदलने के फैसले ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी। जिस केंद्र को तैयार करने के लिए किसानों ने खुद श्रम और पैसा लगाया, वहां रविवार सुबह धान लेकर पहुंचे तो पता चला कि खरीदी केंद्र रातोंरात बकतरा स्थानांतरित कर दिया गया है।

अचानक हुए इस फैसले से नाराज किसानों ने दूसरे केंद्र में धान बेचने से इन्कार कर दिया है। उनकी मांग है कि बिरोदा में ही खरीदी शुरू की जाए। किसानों के मुताबिक, पहले बकतरा में खरीदी केंद्र खोलने की बात हुई थी, लेकिन वहां जगह की समस्या के कारण बिरोदा में केंद्र बनाने का निर्णय लिया गया।इसके बाद गांव के करीब 300 से 400 किसानों ने मिलकर मैदान तैयार किया और खरीदी के लिए जरूरी व्यवस्थाएं जुटाई। किसानों का आरोप है कि रविवार रात करीब 12 बजे केंद्र को फिर बकतरा स्थानांतरित करने का फैसला कर लिया गया, लेकिन इसकी पूर्व सूचना किसी को नहीं दी गई। सुबह धान लेकर पहुंचे किसानों को पूछताछ के बाद इस बदलाव की जानकारी मिली।बकतरा जाने में बढ़ेगा खर्च, दुर्घटना का भी खतराकिसानों का कहना है कि बकतरा तक धान ले जाने में परिवहन खर्च बढ़ेगा। रास्ता खराब है और बीच में नहर पार करनी पड़ती है।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा कालोनी बोरियाकला, जिला-रायपुर,** में स्थित **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित फ्लैट क. एल.आई.जी -546 ब्लॉक-35** भूतल **श्री रवि भूषण तिवारी पिता श्री श्याम लाल तिवारी निवासी:- सेवा सदन, पचपेडी नाका गोयल काम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के आंबटन आदेश **क्र. 112 दिनांक 15.01.2010** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 24.02.2011** को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र **क्रमांक 445 दिनांक 24.01.2012** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। आंबटी **श्री रवि भूषण तिवारी पिता श्री श्याम लाल तिवारी,** उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को क्रेता श्रीमती **ईश्वरी लहरे पति श्री संजय कुमार लहरे निवासी:- 118, कोटिया, जांजगीर-चापा (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण
एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर

निविदा सूचना

क्रमांक 71/नपानि जोन-4/ लो.क.वि./2026 रायपुर दिनांक 16.11.2026

आयुक्त नगर पालिक निगम, रायपुर की ओर से प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति (प्रथम में अमानती राशि अन्य कागजात एवं द्वितीय में निविदा प्रपत्र में सील बंद निविदायें स्पीड पोस्ट से निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

1 निविदा हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 23.11.2026 को सायं 4.00 बजे तक
2 निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि- 02.12.2026 को सायं 4:00 बजे तक
3 निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि- 03.12.2026 को सुबह 11.00 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा शुल्क	ठेकेदार की श्रेणी	अवधि	निविदा प्रपत्र	एस.ओ. आर/ नॉन एस. ओ. आर.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	शेड निर्माण एवं शौचालय बाथरूम निर्माण कार्य संकट मोचन 1 हनुमान मंदिर बुढेश्वर चौक रायपुर वार्ड क्रमांक 44 (विधायक निधि) (तृतीय निविदा)	5.00	5000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	6 माह	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी डब्ल्यूडी भवन रोड एसओआर दिनाक 20/04/2026
2	पं भगवतीचरण शुक्ल वार्ड क्र. 57 जोन 4 हॉल एवं अतिरिक्त 2 कक्ष निर्माण वैश्व साहू समाज भवन बैरन बाजार रायपुर (विधायक निधि) (तृतीय निविदा)	9.99	10000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	6 माह	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी डब्ल्यूडी भवन रोड एसओआर दिनाक 20/04/2026
3	डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड क्र. 64 जोन 4 प्रथम तल छात्रावास भवन निर्माण, झुमुकलाल महोबिया स्कुल के पास, देवांगन समाज भवन गभरापारा (विधायक निधि) (तृतीय निविदा)	9.99	10000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	6 माह	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी डब्ल्यूडी भवन रोड एसओआर दिनाक 20/04/2026
4	विविध निर्माण रविन्द्र मंच कालीबाडी समिति रायपुर मौलाना अब्दुल रउफवार्ड क्र. 45 जोन क्र. 4 (तृतीय निविदा)	9.80	10000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	6 माह	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी डब्ल्यूडी भवन रोड एसओआर दिनाक 20/04/2026
5	भवन निर्माण स्व. बाबूराव दानी मराठा बोर्डिंग बुढापारा स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड क्र. 44 (विधायक निधि) (तृतीय निविदा)	9.50	10000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	6 माह	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी डब्ल्यूडी भवन रोड एसओआर दिनाक 20/04/2026
6	कक्ष निर्माण, छत्तीसगढ़ कॉलेज रायपुर पं भगवतीचरण शुक्ल वार्ड क्र. 57 (विधायक निधि) (तृतीय निविदा)	5.00	5000	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	6 माह	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी डब्ल्यूडी भवन रोड एसओआर दिनाक 20/04/2026
7	भगवतीचरण शुक्ल वार्ड क्र. 57 अंतर्गत राजेन्द्र नगर गौतम 7 गली में नाली एवं सी.सी. रोड निर्माण कार्य। (अधोसंरचना मद) (तृतीय निविदा)	3.24	4000	750.00	"डी" श्रेणी	2 माह एवं उससे उपर	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी डब्ल्यूडी भवन रोड एसओआर दिनाक 20/04/2026
8	पं भगवतीचरण शुक्ल वार्ड क्र. 57 अंतर्गत 44 क्वार्टर 8 आंगनबाडी के पीछे सामुदायिक भवन में अतिरिक्त भवन निर्माण कार्य। (अधोसंरचना मद) (द्वितीय निविदा)	5.00	5000	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	6 माह	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी डब्ल्यूडी भवन रोड एसओआर दिनाक 20/04/2026
9	पं रविशंकर शुक्ल वार्ड क्र. 34 अंतर्गत रविनगर में उद्यान विकास कार्य। (अधोसंरचना मद) (द्वितीय निविदा)	9.85	10000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	3 माह	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी डब्ल्यूडी भवन रोड एसओआर दिनाक 20/04/2026

नोट- 1. निविदा से संबंधित दस्तावेज / छ.ग. पीडब्ल्यूडी का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र/ जीएसटी पंजीयन प्रमाण पत्र/पेन कार्ड/विगत 03 साल का इनकम टैक्स रिटर्न (नवीन पंजीकृत ठेकेदार / फर्म के लिये यह लागू नहीं होगा) / विगत 03 माह का जीएसटी रिटर्न / राशि रू. 100/- का शपथ पत्र (निविदा जारी होने के बाद का नोटराईजड) / राशि 2. 00 लाख से अधिक के कार्यों के लिये कम से कम 15 प्रतिशत तक जीवित बैंक सॉल्वेंशी स्वीकार किया जावेगा। (राष्ट्रीयकृत बैंक का अमानती राशि (एफडी.आर. के रूप में) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।) (लिफाफा निविदा जारीकर्ता अधिकारी के नाम से पोस्ट किया जावे) निर्धारित अवधि में यदि किसी दिन अवकाश होता है, तो उल्लेखित कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर सम्पन्न की जावेगी।
2. निविदा से संबंधित नियम एवं अन्य शर्तें जोन कमांक 04 कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है।
3. उक्त निविदा नगर निगम के वेबसाईट **nagar nigam raipur.nic.in** में देखी जा सकती है।
4. निविदा अंतर्गत (3rd Party Inspection) की राशि का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जायेगा जो कि कुल स्वीकृत राशि के 0.80 प्रतिशत एवं जीएसटी अतिरिक्त होगा।
5. निविदा शुल्क जमा करने के पश्चात वेबसाईट से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर जोन कार्यालय में भेजा जाना अनिवार्य होगा।

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देंवें

जोन कमिश्नर
जोन कमांक 4
नगर पालिक निगम, रायपुर



कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./36849/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 16-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36849
वार्ड का नाम-34- पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR333A00061** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MO. ASLAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **शबाना बेगम, अलफिया बानो, फाजिला बानो एवं मो. अयान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सभी पिता/पति स्व. मो. असलम** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आवेदन पत्र, शपथ पत्र,मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, संपत्तिकर रसीद व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./36922/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 16-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36922
वार्ड का नाम-57- भगवती चरण शुक्ला वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR447E00378** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. DURGESH NANDINI BHARGAVA, 2. RASHMI CHANDEL, 3. MANISHA SEN, 4. SANDEEP BHARGAVA, SHAILENDRA BHARGAVA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **संदीप भार्गव** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. छन्नू लाल भार्गव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./36920/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 16-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36920
वार्ड का नाम-57- भगवती चरण शुक्ला वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR447E00382** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHAGWATI DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAXMAN DAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजेश कुमार, बक्श लाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनो पिता जवाहर लाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./36882/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 14-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36882
वार्ड का नाम-34- पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR224D0148C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JAMEELA BEGUM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMED ISMAIL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मोहम्मद रऊफ खान** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मरहूम मोहम्मद इस्माईल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आपसी बंटवारानामा** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./36923/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 16-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36923
वार्ड का नाम-64- डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR656E00141** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SEEMA S/O LATE. BRIJLAL YADAV, SANTOSHI VO BINU AND RAVI YADAV S/O LATE. BRIJLAL YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सीमा डोंगरे, संतोषी यादव एवं रवि यादव** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सभी पिता स्व. बृजलाल यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, संपत्तिकर रसीद व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर

आम-सूचना

दिनांक 16/11/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA NIR-LEP ANAND** पिता- **SHRI SHRI** 108 **SWAMI DARSHAN PURAN** पता- द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह **प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा स्थित भूमि खसरा नंबर** 151/226 (0.1095) हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8A **रायपुर के ज्ञा0 / रा0 प्र0 क्र.0** 202610114900102 रायपुर के आदेश **दिनांक 29/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 23/11/2026** को 1 AM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 23/11/2026** को पूर्वान्ह / अपरान्ह 1 AM समय तक **पटवारी हल्का नंबर 00069** / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर

आम-सूचना

दिनांक 16/11/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA NIR-LEP ANAND** पिता- **SHRI SHRI** 108 **SWAMI DARSHAN PURAN** पता- द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा स्थित भूमि **खसरा नंबर** 151/228 (0.1080) हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर के **ज्ञा0 / रा0 प्र0 क्र0** 202610114900101 रायपुर के आदेश **दिनांक 29/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 23/11/2026** को 1 AM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 23/11/2026** को पूर्वान्ह / अपरान्ह 1AM समय तक **पटवारी हल्का नंबर 00069 / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा** के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा, तहसील रायपुर जिला रायपुर

आम-सूचना

दिनांक 16/11/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका **SHRI ANANDPUR TRUST DWARA NIR-LEP ANAND** पिता- **SHRI SHRI** 108 **SWAMI DARSHAN PURAN पता- द्वारा आवेदित ग्राम अमलीडीह प.ह.न. 00069 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11-टिकरापारा स्थित भूमि खसरा नंबर** 151/227 (0.1370) **हेक्टेयर** का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार 8A रायपुर के ज्ञा0 / **रा0 प्र0 क्र.** 202610114900098 रायपुर के आदेश **दिनांक 29/10/2026** के परिपालन में **दिनांक 23/11/2026** को 1 AM बजे पश्चात किया जाना है। अत: उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वह उक्त **दिनांक 23/11/2026** को पूर्वान्ह / अपरान्ह 1 AM समय तक **पटवारी हल्का नंबर 00069** / राजस्व निरीक्षक रायपुर-11-टिकरापारा के स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा। अत: सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक: YASH VARHADPANDE
रायपुर-11-टिकरापारा

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./36949/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 16-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36949
वार्ड का नाम-27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR737G00320** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **T. SAI LAKSHMI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **T.S.K. CHAKRABARTI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती शबनम** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अब्दुल अलीम** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री पी. डी. घृतलहरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./36948/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 16-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36948
वार्ड का नाम-27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR220K00003** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DAMYANTIN PITHALIYA S/O LT. NARAYAN BHAI PITHALIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती**1. श्री कैलाश चंद पिथालिया पिता स्व. नारायण भाई पिथालिया 2. श्री जयेश पिथालिया पिता - स्व. किशोर चन्द्र पिथालिया , 3. श्री भूपेश पिथालिया पिता- स्व. किशोर चन्द्र पिथालिया** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत वसीयतनामा** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री पी. डी. घृतलहरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र./36975/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 16-11-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36975
वार्ड का नाम-62 शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR654C00159** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **PARVEEN BEGAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AZIZ AHMAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SHAHANBAJ KHAN S/O JAFAR KHAN 2. JIYAL KHAN S/O JAF

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, मंगलवार 17 नवंबर 2026

विश्व मधुमेह दिवस पर सेंट्रल हॉस्पिटल में स्वास्थ्य जागरूकता एवं रक्त शर्करा जांच शिविर का आयोजन





सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर सेंट्रल हॉस्पिटल, एस ई सी एल बिश्रामपुर में मधुमेह के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं समय पर पहचान के उद्देश्य से रक्त शर्करा जांच एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व मधुमेह दिवस की थीम ÷मधुमेह पर शीघ्र कार्रवाई (Early Action on Diabetes)" रही। कार्यक्रम में कर्मचारियों एवं अन्य हितग्राहियों को मधुमेह के लक्षणों, जोखिम कारकों, नियमित जांच, समय पर उपचार एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

शिविर में वरिष्ठ खानप्रबंधक वी पी सिंह, वरिष्ठ पत्रकार गोपाल सिंह विद्रोही सहित कुल 66 व्यक्तियों की रैंडम ब्लड शुगर (क्क्क्) जांच की गई। जांच के परिणामों के आधार पर 11 व्यक्तियों का रक्त शर्करा स्तर 200एम जी/डी एल या उससे अधिक, 14 व्यक्तियों का 140 से 199 द्वद्द/स्नरु के बीच तथा शेष 41 व्यक्तियों का 140 द्वद्द/स्नरु से कम पाया गया। इस प्रकार कुल 25 व्यक्तियों में रक्त शर्करा का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया। संबंधित व्यक्तियों को आगे चिकित्सकीय परामर्श एवं आवश्यक जांच, जैसे फास्टिंग ब्लड शुगर एवं ॥ङ्ख1ष् कराने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम सीएमओ डॉ. यू.एस. बैथा के दिशा-निर्देशन में डॉ. भवदीप सोढ़ी द्वारा मधुमेह विषय पर विशेष जागरूकता व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान में मधुमेह के कारणों, प्रमुख लक्षणों, जोखिम कारकों, समय पर पहचान, नियमित रक्त शर्करा जांच एवं उचित उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही मधुमेह से बचाव एवं नियंत्रण के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में सेंट्रल हॉस्पिटल में उपचार हेतु उपस्थित मरीजों, समस्त चिकित्सकों एवं अन्य कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान सभी को मधुमेह के प्रति जागरूक किया गया तथा समय-समय पर रक्त शर्करा की जांच कराने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

चिकित्सकों ने बताया कि मधुमेह की समय पर पहचान एवं उचित उपचार से हृदय, गुर्दे, आंखों एवं तंत्रिकाओं से संबंधित गंभीर जटिलताओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। दक्षिणी पूर्व कोयला परिक्षेत्र बिश्रामपुर प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के बेहतर स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए इस प्रकार के निवारक स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों के आयोजन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उक्त जानकारी डॉ सतपाल जोहले ने दी आभार ड्यूटी सीएमओ डॉ निरंजन ने की इस दौरान डॉ हर्षवर्धन सिंह,डॉ भवदीप सिंह सोढ़ी आदि चिकित्सक एवं स्टॉप गण उपस्थित थे।

बिश्रामपुर में आज सजेगा माँ भगवती का भव्य दरबार 23 वें वार्षिक उत्सव की तैयारी पूर्ण

मनमोहक झांकियां, डांडिया नृत्य और फूलों की होली मुख्य आकर्षण



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-श्री नवयुवक दुर्गा मंडल, बिश्रामपुर द्वारा आयोजित 23 वां वार्षिक उत्सव इस वर्ष भी श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। उत्सव के अवसर पर मंगलवार, 17 नवंबर को रात्रि 8:15 बजे से बस स्टैंड स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में भव्य एवं दिव्य माँ भगवती जागरण और भजन संध्या का आयोजन किया गया है।

जागरण में मुख्य आकर्षण जबलपुर के प्रसिद्ध जय मातेश्वरी जागरण ग्रुप द्वारा प्रस्तुत माँ भगवती की आकर्षक एवं मनमोहक झांकियां होंगी। इन झांकियों के माध्यम से माता रानी के विभिन्न दिव्य स्वरूपों की मनोरम छटा देखने को मिलेगी। वहीं सुप्रसिद्ध भजन गायकों की मधुर भजन प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर करेंगी। आयोजन को और भी यादगार बनाने के लिए माता की चुनरी भेंट, अखंड ज्योत प्रज्वलन, डांडिया नृत्य एवं फूलों की होली जैसे विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। संपूर्ण कार्यक्रम चंद्रेश महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न होगा।

मंडल द्वारा आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। श्री नवयुवक दुर्गा मंडल ने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों से सपरिवार उपस्थित होकर माँ भगवती के दर्शन, भजन-कीर्तन एवं दिव्य झांकियों का आनंद लेने तथा माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

आयोजन में सक्रिय सहभागिता में मंडल के साथी राकेश अग्रवाल, अजय मित्तल, अरविन्द मित्तल, मनोज मित्तल, सुनील अग्रवाल, रतन गर्ग, शंकर अग्रवाल, संदीप सिंघल, दीपक गोयल, अजय अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, राजेश सोनी, चाहत अग्रवाल, अभिनव मित्तल, नेहल अग्रवाल, क्षितिज चंदेल, सजल मित्रा, सक्षम महोबिया सहित मंडल के समस्त सदस्य आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय मांगों को लेकर आज से क्रमिक भूख हड़ताल प्रारंभ

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- संयुक्त कोयला मजदूर संघ ने एस.ई.सी.एल. बिश्रामपुर क्षेत्र द्वारा ठेका श्रमिकों की 15 सूत्रीय लंबित मांगों के निराकरण की मांग को लेकर आज 17 नवंबर से महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष सात दिवसीय क्रमिक भूख हड़ताल प्रारंभ कर दी है।

संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष हीरा लाल एवं क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार गर्ग ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि बिश्रामपुर क्षेत्र की विभिन्न खदानों में कार्यरत सैकड़ों ठेका श्रमिकों द्वारा बीते 05 अक्टूबर 2026 को पोड़ी ग्राउंड से रैली निकालकर महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष शांतिपूर्ण एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया था और प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बावजूद क्षेत्रीय प्रबंधन द्वारा श्रमिकों की जायज एवं वैधानिक मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस बीच 5 नवंबर को हुई वार्ता में भी श्रमिकों की समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकल सका और वार्ता विफल रही।

प्रबंधन के इसी उदासीन रवैये के विरोध में संघ ने चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया है, जिसके तहत आज 17 नवंबर से 24 नवंबर 2026 तक क्रमिक भूख हड़ताल की जाएगी। यदि इस अवधि में भी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो 25 नवंबर 2026 से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू किया जाएगा।

ठेका श्रमिकों की प्रमुख मांगें- ,सभी खदानों में कार्य समिति (वर्क्स कमेटी) का अनिवार्य गठन किया जाए।

,सभी ठेका श्रमिकों को नियमानुसार नियुक्ति पत्र और पहचान पत्र प्रदान किया जाए,कोयला ट्रांसपोर्ट, साइडिंग, सोलर प्लांट एवं खान परिसर के सभी कामगारों को एचपीसी वेज का भुगतान हो, बायोमेट्रिक व उपस्थिति रजिस्टर में हाजिरी दर्ज हो एवं प्रति माह 26 दिन का कार्य सुनिश्चित किया जाए,हर महीने की 7 तारीख तक वेतन भुगतान और अनिवार्य वेतन पर्ची दी जाए, कॉरपोरेट बैंक खातों से वेतन भुगतान हो ताकि श्रमिकों को कॉरपोरेट बीमा का लाभ मिल सके, बोनस पी एल आई का पूर्ण भुगतान हो तथा गायत्री एवं केतकी खदान के वर्ष 2024-25 का बकाया बोनस तुरंत दिया जाए,खदानों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन हो और दुर्घटनाओं को छुपाने की प्रथा पर तत्काल रोक लगे, गायत्री एवं केतकी खदान के आसपास रोजगार के नाम पर हो रही अवैध धन उगाही की उच्चस्तरीय जांच कराकर भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए, पूर्व में वेतन से काटी गई सी एम पी एफ राशि की तत्काल वापसी/समायोजन किया जाए।

कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत की कांटारोली में आज विशाल जनसभा व जनचौपाल

तारा कोल ब्लॉक प्रभावित ग्रामीणों से करेंगे सीधा संवाद।

बघेल, बैज, महंत, टीएस सहित जुटेंगे दिग्गज नेता।



सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे वोट बचाओ॰देश बचाओ अभियान के तहत 17 नवंबर 2026 को प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कांटारोली में विशाल जनसभा एवं जनचौपाल का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 2 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के दिग्गज नेताओं सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस संगठन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन में छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी एवं सांसद सुखदेव भगत, पूर्व मुख्यमंत्री एवं एआईसीसी महासचिव भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव तथा जिला प्रभारी गुलाब कमरो सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति रहेगी। इन दिग्गज नेताओं का एक साथ कांटारोली पहुंचना क्षेत्र के राजनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण तारा कोल ब्लॉक से प्रभावित ग्रामीणों के साथ प्रस्तावित भेंट-मुलाकात एवं जनचौपाल होगी। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ग्रामीणों की समस्याएं, मांगें और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों को सुनेंगे। कोल ब्लॉक से प्रभावित परिवारों की चिंताओं, स्थानीय लोगों के हितों और उनकी मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। जनचौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी बात सीधे प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के सामने रखने का अवसर मिलेगा।

गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे वोट बचाओ॰देश बचाओ अभियान के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती, निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और नागरिकों के मताधिकार की सुरक्षा को लेकर जनजागरूकता का प्रयास किया जा रहा है। कांटारोली का यह आयोजन इसी अभियान की कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर की अध्यक्ष शशि सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में जिला, ब्लॉक एवं मंडल स्तर के समस्त पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

मलाबार ग्रुप के स्थापना दिवस पर रायपुर में स्वच्छता अभियान का आयोजन

रायपुर। मलाबार ग्रुप के 34वें स्थापना दिवस के अवसर पर देशव्यापी स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के रायपुर शोरूम द्वारा ऑक्सीजन पार्क में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नगर निगम एवं स्थानीय निकायों के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अभियान में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की प्रबंधन टीम, शोरूम प्रमुखों, कर्मचारियों तथा सफाईकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। यह व्यापक स्वच्छता अभियान पर्यावरण, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सुशासन के सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए ग्रुप द्वारा किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा था। इस देशव्यापी अभियान में मलाबार ग्रुप के 9,000 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद ने कहा, कंपनी अपने व्यावसायिक कार्यों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी, सामाजिक प्रतिबद्धता, पारदर्शिता और नैतिक सुशासन को शामिल करते हुए श्वस्त्र सिद्धांतों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में अपनी पहल के तहत ग्रुप का लक्ष्य अगले एक वर्ष में पूरे भारत में लगभग 1 लाख पेड़ लगाना है। व्यावसायिक गतिविधियों से आगे बढ़कर मलाबार ग्रुप समाज के जीवन स्तर में सुधार लाने और समुदायों को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से कई प्रभावशाली सामाजिक पहल भी संचालित कर रहा है। इनमें हंगर फ्री वर्ल्ड, वंचित बच्चों के लिए माइक्रो लर्निंग सेंटर, बालिकाओं के लिए छात्रवृत्ति तथा बुजुर्ग माताओं के लिए ग्रैंडमा होम्स जैसी प्रमुख पहल शामिल हैं। ये सभी कार्यक्रम सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत विकास के प्रति ग्रुप की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने छठ पर्व पर भगवान सूर्य को दिया अर्घ्य

सूरजपुर जिला के विभिन्न हिस्सों में धूमधाम से मनाया गया छठ महापर्व

हजारों व्रतधारियों ने डूबते उगते सूर्य को दिया अर्घ्य

गोपाल सिंह विद्रोही



सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- लोक आस्था और भक्ति के अटूट विश्वास का सबसे कठिन महापर्व छठ पूजा सूरजपुर जिले भर में पूरे भक्ति भाव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया द्य

चार दिवसीय महापर्व के अंतिम दिन जहां व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार के साथ साथ लोगों के मंगल कामनाएं की वहीं जिले के प्रायः सभी छठ घाटों पर हजारों सूर्य उपासकों की भीड़ जुटी रही द्य

इसी क्रम में प्रदेश के महिला बाल विकास मंत्री सूरजपुर जिला के विभिन्न छठ घाटों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर छठी मैया की पूजा अर्चना की और भगवान भास्कर का अर्थ देकर क्षेत्र में शांति समृद्धि खुशहाली की कामना की। महिला बाल विकास मंत्री जिन घाटों पर नहीं पहुंच पाई वहां व्रतधारियों के डाला में माँ छठी एवं भगवान भास्कर के लिए प्रसाद अर्पित की। कोयलांचल बिश्रामपुर क्षेत्र के गायत्री मंदिर प्रांगण स्थित छठ घाट एवं गोरखनाथपुर स्थित रेण नदी छठ घाट पर भी सैकड़ों व्रतधारियों ने आस्था की डुबकी लगाकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया द्य

नहाए - खाए से शुरू हुए इस महापर्व के दूसरे दिन खरना (महाप्रसाद का दिन) और उसके अगले दिन डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य दिया जाता है द्य इसके बाद चौथे और अंतिम उगते सूर्य को अर्घ्य देकर संतान के दीर्घायु होने के साथ ही साथ परिवार के सुख समृद्धि की कामना की जाती है पूजा अर्चना के दौरान बिश्रामपुर छठ घाट में जन सैलाब और ठंड को देखते हुए अखिल भारतीय छठ पूजा समिति द्वारा व्रतधारियों के परिजनों के लिए चाय - कॉफी की व्यवस्था की गई थी वहीं गोरखनाथपुर छठ घाट समिति द्वारा रेण तट पर छठ पूजा की सारी व्यवस्था की गई थी

शिवानी महिला समिति एवं अय्यप्पा सेवा समिति ने श्रद्धालुओं के परिजनों के लिए जलपान कि की व्यवस्था- प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी एसईसीएल की शिवानी महिला समिति एवं अयप्पा सेवा समिति द्वारा श्रद्धालुओं के परिजनों के लिए चाय - बिस्कुट की व्यवस्था रखी गई थी द्य बिश्रामपुर क्षेत्र के दोनों बड़े छठ घाटों पर जहां एक ओर कई समाज सेवी व्रतधारियों को अपनी सेवा देते नजर आए वहीं श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने और शांति व्यवस्था को बहाल रखने के लिए बिश्रामपुर पुलिस थाना के टी आई विकाश कुमार देशमुख अपनी पुलिस टीम के साथ शांति व्यवस्था बनाए रखने में मुस्तैद दिखे द्य

संक्षिप्त समाचार

सतर्क रहें, सुरक्षित भुगतान करें : सुरक्षित डिजिटल भुगतान के लिए जरूरी सुझाव

नई दिल्ली: भारत में डिजिटल भुगतान का लगातार विस्तार हो रहा है, इसकी मुख्य वजह ग्राहकों के बीच डिजिटल भुगतान का बढ़ता चलन और रोजमर्रा के लेन-देन में इसका बढ़ता इस्तेमाल है। डिजिटल भुगतान को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एसबीआई कार्ड भी लगातार प्रयासरत है और ग्राहकों को सुरक्षित लेन-देन के प्रति जागरूक करने पर जोर देता है। उद्योग से जुड़ी रिपोर्टों के अनुसार, वित्त वर्ष 2030 तक डिजिटल माध्यम से किए जाने वाले भुगतानों की संख्या बढ़कर 617 अरब होने की उम्मीद है। वहीं, लेन-देन का कुल मूल्य बढ़कर 907 ट्रिलियन तक पहुंच सकता है और क्रेडिट कार्ड की कुल संख्या लगभग 210 मिलियन होने का अनुमान है (स्रोत: PWC)। आज ग्राहक ऑनलाइन खरीदारी करने, दुकानों पर सामान खरीदने, बिजली-पानी जैसे बिलों का भुगतान करने और यात्रा की बुकिंग करने के लिए आसानी से भुगतान के अलग-अलग डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, डिजिटल भुगतान का दायरा बढ़ने के साथ-साथ वित्तीय धोखाधड़ी के तरीके भी बदल रहे हैं। धोखेबाज अब भोले-भाले ग्राहकों को अपने जाल में फंसाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं।

ऐसे माहौल में लेन-देन को सुरक्षित बनाए रखने के लिए वित्तीय संस्थानों और ग्राहकों, दोनों को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। डिजिटल लेन-देन की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए संस्थान लगातार अपनी तकनीक और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में निवेश कर रहे हैं। वहीं, ग्राहकों की जागरूकता और सतर्कता भी उतनी ही जरूरी है। इसमें भुगतान के सुरक्षित तरीकों को अपनाना, धोखाधड़ी की संभावित कोशिशों को पहचानना और लेन-देन करते समय सावधान रहना शामिल है।

इस बारे में बात करते हुए, एसबीआई कार्ड की एमडी और सीईओ, सलिला पांडे ने कहा, एसबीआई कार्ड में अपने ग्राहकों की सुरक्षा करना और उनका भरोसा जीतना हमारे कारोबार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल है। डिजिटल भुगतान अब लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं। ऐसे में हम धोखाधड़ी के नए-नए खतरों से निपटने के लिए लगातार सतर्क रहते हैं। तकनीक के जरिए सुरक्षा उपायों को मजबूत बनाने, जोखिमों को पहले से पहचानकर उनसे निपटने और ग्राहकों को लगातार जागरूक करने के माध्यम से हम एक सुरक्षित और मजबूत भुगतान व्यवस्था तैयार कर रहे हैं। हमारा मानना है कि वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने में ग्राहकों की जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है, जितना कि तकनीक में नए सुधार करना। हम ग्राहकों को सलाह देते हैं कि वे सतर्क रहें, लेन-देन करने से पहले पूरी जानकारी की जांच करें, अपनी निजी और वित्तीय जानकारी सुरक्षित रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें।

वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने मैनेजमेंट के हर स्तर पर 35 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया, कॉरपोरेट जगत से लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की अपील

नई दिल्ली: कॉरपोरेट जगत में लैंगिक विविधता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का आह्वान करते हुए, वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सभी क्षेत्रों के संगठनों से ऐसे समावेशी कार्यस्थल तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया है, जहाँ महिलाएँ आगे बढ़ सकें, नेतृत्व कर सकें और भारत की आर्थिक प्रगति में योगदान दे सकें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर साझा किए गए अपने संदेश में श्री अग्रवाल ने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रति वेदांता की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि कंपनी ने मैनेजमेंट के हर स्तर पर कम से कम 35ब्र महिला प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया है। वेदांता में अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाएँ अपनी विशिष्ट क्षमताओं, नए दृष्टिकोण और नेतृत्व की अलग शैली के माध्यम से संगठनों को महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। वे कार्यस्थल पर नए विचार लेकर आती हैं और हर स्तर पर उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि महिलाएँ समान कार्य के लिए समान वेतन और करियर में आगे बढ़ने के उचित अवसरों की हकदार हैं। श्री अग्रवाल ने सभी उद्योगों के संगठनों से लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठाने और ऐसा अनुकूल वातावरण बनाने का आग्रह किया, जहाँ महिलाएँ अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें और नेतृत्व की भूमिकाओं में आगे बढ़ सकें। राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भागीदारी के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि महिलाएँ भारत की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं और उनकी प्रगति देश की विकास यात्रा से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व भारत को अधिक मजबूत और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संपादकीय

नज़रिये में खोट है.....

यह सरकारी नजरिए में आए इस खोट को भी जाहिर करेगा कि अधिकांश आबादी को भगवान भरोसे छोड़ ऊपरी 10-15 प्रतिशत आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाए और उससे बनने वाले बाजार की ही चिंता की जाए।संभव है कि नरेंद्र मोदी सरकार इसे अपनी उपलब्धि माने कि विकसित भारतङ्कगारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम-जी योजना पर सुस्त प्रगति के कारण सरकारी खजाने में करीब 50,000 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। सरकारी सूत्रों ने कहा है कि इस बचत का इस्तेमाल उर्वरक सब्सिडी के रूप में आए अतिरिक्त बोझ को पूरा करने के लिए किया जाएगा। इस वित्त वर्ष में खाद सब्सिडी पर 40,000- 50,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च का अनुमान है। बहरहाल, ऐसा होने का अर्थ होगा कि सरकार सबसे निचले पायदान पर स्थित श्रमिक वर्ग की कीमत पर राजकोषीय सेहत बेहतर करेगी। लेकिन बात सिर्फ इतनी नहीं है। यह सरकारी नजरिए में आए इस खोट को भी जाहिर करेगा कि अधिकांश आबादी को भगवान भरोसे छोड़ ऊपरी 10-15 प्रतिशत आबादी पर ध्यान केंद्रित किया जाए और उससे बनने वाले बाजार की ही चिंता की जाए। वीबी-जी रामजी योजना मनरेगा की जगह लाई गई। मनरेगा के तहत 100 दिन तक मिलने वाले काम से ग्रामीण श्रम के भुगतान का न्यूनतम प्रतिमान तय होता था, जिससे होने वाली आय ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग को सहारा देती थी। उससे गांवों से पलायन घटता था, जिससे शहरी मजदूरों को भी बेहतर मेहताना मिल पाता था। इससे भारतीय बाजार का मामूली, लेकिन बड़े दायरे में विस्तार हुआ। लेकिन उसकी जगह लागू योजना मांग-आधारित नहीं रही। केंद्र एवं राज्य अब 60ङ्क40 के अनुपात में खर्च साझा करते हैं, जैसा अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं में होता है। इन पहलुओं के कारण नई योजना पर अमल सुस्त हो गया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र ने इस योजना के लिए 95,692 करोड़ रुपये रखे हैं, जबकि राज्यों का हिस्सा 1.51 लाख करोड़ रुपये आंका गया है। जाहिर है, इससे योजना को लागू करने में राज्यों की दिलचस्पी घट गई है। अब अनुमान है कि वित्त वर्ष के बाकी पांच महीनों में गति बढ़ने पर भी केंद्र का वार्षिक खर्च 40,000 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगा। सरकार इस पर राहत महसूस कर सकती है, लेकिन भारत के मजदूरों और अर्थव्यवस्था के लिए यह बुरी खबर है।

कैंसर उपचार को किफायती और सुलभ बनाने की दिशा में पहल..

अनुप्रिया पटेल

चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति ने कैंसर सहित अनेक गंभीर बीमारियों के उपचार की संभावनाओं को पहले से कहीं अधिक व्यापक बना दिया है। नई दवाओं, लक्षित उपचार और इम्युनोथेरेपी जैसी बहुत प्रभावशाली आधुनिक पद्धतियों ने कई प्रकार के कैंसर के उपचार में नई उम्मीद जगाई है। कैंसर का प्रभाव केवल मरीज के स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह उसके परिवार के भावनात्मक, सामाजिक और आर्थिक जीवन को भी प्रभावित करता है। ये भी सच है कि उपचार की लंबी प्रक्रिया, अस्पतालों के लगातार चक्कर और दवाओं की ऊंची कीमतें जैसी कई चुनौतियों के कारण मरीज और उसके परिजन बिना लड़ाई लड़े ही उम्मीद खोने लगते हैं।



मरीजों को मिलेगी सीधी राहत

कैंसर की दवाओं की ऊंची कीमतों के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं। जहां एक ओर, विशेष रूप से बायोलॉजिकल दवाओं और नई उपचार पद्धतियों के अनुसंधान, विकास एवं विनिर्माण में होने वाला भारी निवेश इनकी लागत को प्रभावित करता है, वहीं दूसरी ओर, आपूर्ति श्रृंखला में अत्यधिक व्यापारिक मार्जिन जैसी अनुचित प्रथाओं के कारण कैंसर की दवाएं महंगी होती हैं इसी संदर्भ में, भारत सरकार ने जनहित में 137 चिन्हित गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं के व्यापार मार्जिन का युक्तिसंगतीकरण (टीएमआर) किया है। इसमें न केवल घरेलू बाजार में उपलब्ध दवाएं शामिल हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर उपलब्ध दवाएं भी शामिल हैं। इसके तहत इन दवाओं पर अधिकतम व्यापार मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया है। यह कदम सुनिश्चित करता है कि वर्तमान और भविष्य की कैंसर दवाओं को 30त्न मार्जिन के अंतर्गत कवर किया जाए। जिससे 1000 से अधिक कैंसर दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में 20त्न-70त्न की कमी आई है। । दवाओं और ब्रांडों के स्तर पर वास्तविक मूल्य कटौती अलग-अलग हो सकती है। उम्मीद है कि इससे न केवल कैंसर का उपचार अधिक किफायती होगा, बल्कि उन मरीजों को भी समय पर उपचार शुरू करने का भरोसा मिला है, जो अब तक इसकी ऊंची लागत के कारण कैंसर के इलाज में पहला कदम उठाने में हिचकिचाते रहे थे।

कैंसर की दवाओं की ऊंची कीमतों के प्रमुख कारण

कैंसर के उपचार में प्रयोग होने वाली कुछ आधुनिक दवाएं, विशेषकर जैविक (ब्लह्मश्रद्यश्रद्बह्मष्ड्डद्य) दवाएं और इम्युनोथेरेपी, पारंपरिक रासायनिक दवाओं की तुलना में अधिक महंगी होती हैं। जिसका कारण, इनके विकास और निर्माण की जटिल प्रक्रिया है। जहां सामान्य रासायनिक दवाएं नियंत्रित रासायनिक प्रक्रियाओं से तैयार की जाती हैं, वहीं जैविक दवाएं जीवित कोशिकाओं और जैविक प्रणालियों की सहायता से विकसित होती हैं। इनके निर्माण के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, विशेष उत्पादन सुविधाओं, जटिल तकनीकों और गुणवत्ता के कड़े मानकों की जरूरत होती है। इसके अलावा, इनकी सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए लंबे शोध और व्यापक क्लिनिकल परीक्षण भी किए जाते हैं, जो भी सामान्य से अधिक जटिल होती है। इन सभी पहलुओं का असर दवाओं की लागत पर पड़ता है। इसलिए कैंसर की दवाओं की कीमतों को कम करने के प्रयास में यह समझना भी जरूरी है कि एक ओर नई चिकित्सा तकनीकों को प्रोत्साहन मिले, वहीं दूसरी ओर उनका लाभ मरीज तक भी पहुंचे। कैंसर की इन महंगी दवाओं को मरीजों तक सुलभ बनाने के लिए, अधिक से अधिक अस्पतालों को टाटा मेमोरियल अस्पताल के कैंसर ग्रिड का हिस्सा बनना होगा, जहां बातचीत के जरिए कीमतों में छूट देकर नई चिकित्सा पद्धतियों को मरीजों के लिए किफायती बनाया जा रहा है। इसके अलावा, सीजीएचएस जैसी सरकारी खरीद प्रणाली से इन नई दवाओं की थोक खरीद करके इन्हें मरीजों तक पहुंचाया जा सकता है।



एनपीपीए की वेबसाइट और 'फार्मा सही दाम' पर देखें संशोधित कीमतें

यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि दवाओं की कीमतों में की गई कमी का वास्तविक लाभ मरीजों को मिले और यह कमी अस्पतालों के बिलों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे। सरकारी और निजी, दोनों तरह के अस्पतालों में यह सुनिश्चित करना होगा कि मरीजों से संशोधित कीमतों के अनुसार ही भुगतान लिया जाए। संशोधित कीमतें 9 नवंबर, 2026 से हो चुकी हैं। मरीज एनपीपीए की वेबसाइट और 'फार्मा सही दाम' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से कीमतों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। क्योंकि कैंसर रोधी दवाओं की एक बड़ी आपूर्ति सीधे अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को की जाती है, इसलिए उन्हें निर्धारित तारीख से ही मरीजों को कम कीमतों पर दवाएं उपलब्ध करानी होंगी। दवाओं की नई कीमतें अस्पतालों और फार्मेसियों में प्रमुखता से प्रदर्शित होनी चाहिए। सरकार इस व्यवस्था के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी अस्पताल और फार्मेसी स्तर पर राज्य औषधि नियंत्रक (स्टेट ड्रग कंट्रोलर्स) निर्माताओं के माध्यम से कर रही है। । इसके साथ ही, क्कद्बड्डह्लद्बड्डु स्ड्डद्धद्ब ष्ठड्डुड्डद्ब ऐप पर प्राप्त होने वाली शिकायतों और फीडबैक के जरिए भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्य में की गई कटौती का पूरा लाभ मरीजों तक पहुंचे।

कैंसर, रोगी और उसके परिवार दोनों के लिए एक लंबी लड़ाई है। डॉक्टरों और अस्पतालों के लिए, कैंसर से जंग जीतने वाला हर मरीज उनकी सफलता की एक और कड़ी है। सभी प्रकार की कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन कैप लगाने से कैंसर का इलाज किफायती और सुलभ हो जाएगा। अस्पतालों, फार्मेसियों और गैर सरकारी संगठनों के सामूहिक प्रयासों से कैंसर रोगी और उनके परिवारों को किफायती कैंसर देखभाल और करीब हम लाने में सक्षम होंगे। अंतत: किसी भी स्वास्थ्य नीति की सार्थकता इसी में है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति और नवाचार जारी रहने चाहिए और इसका लाभ हर जरूरतमंद मरीज तक पहुंचे और आर्थिक कठिनाइयां उसके उपचार के रास्ते में बाधा न बनें।

(श्रीमति अनुप्रिया पटेल, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री हैं।)

आलेख

मोदी की किताबें, सोनिया की किताब

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दर्जन किताबें लिखी हैं। इसमें कविता की किताब है, मोटिवेशनल किताब है, बच्चों के लिए किताब है। सामाजिक समरसता व जलवायु परिवर्तन के ऊपर भी किताब है। ये सारी किताबें प्रधानमंत्री बनने के बाद छपी हैं। लेकिन अगर किसी से इन किताबों के बारे में पूछें तो शायद ही कोई बता पाए। भाजपा के ज्यादातर नेता भी इन किताबों के बारे में नहीं जानते हैं। न उनकी चर्चा करते हैं। किसी भी किताब को लेकर कभी ऐसी हाइप नहीं बनी, जैसी सोनिया गांधी की किताब को लेकर बनी है। नरेंद्र मोदी की किसी किताब पर कभी कोई चर्चा हुई हो, बहस हुई या उसमें कमी निकालने की होड़ मची हो, ऐसा भी नहीं है। इसका अर्थ है कि किताब आई-गई हो गई। यह भी अर्थ है कि लोगों को यह जानने में कोई जिज्ञासा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी क्या लिख रहे हैं। उनकी एकमात्र चर्चित किताब 'एग्जाम वॉरियर्स' है। यह किताब पेंग्विन से छपी है, जो उन्होंने बच्चों को प्रेरित करने के लिए लिखी है। लेकिन इस किताब की भी सकारात्मक तरीके से शायद ही कभी चर्चा हुई है। ऐसी तो कोई मिसाल नहीं है, जिससे लगे कि बच्चों या उनके अभिभावकों को इस किताब से बहुत लाभ मिला। हां, पिछले दिनों जब लगातार नीट की परीक्षा के पेपर लीक और गड़बड़ियों को लेकर आंदोलन चल रहे थे तब कई लोगों ने इस पर तंज करते हुए लिखा कि नरेंद्र मोदी ने 'एग्जाम वॉरियर्स' नाम से किताब लिखी और उनकी सरकार ने सचमुच बच्चों को वॉरियर बना दिया। अब परीक्षा से पहले और बाद में बच्चों को कई मोर्चे पर लड़ना पड़ता है। पहली लड़ाई तो यही है कि परीक्षा समय पर हो। दूसरी लड़ाई है कि परीक्षा देने के लिए छात्र सेंटर पर पहुंच जाएं क्योंकि कई परीक्षाएं एक दिन रख दी जाती हैं, सेंटर इतनी दूर कर दिए जाते हैं कि बच्चें पहुंच नहीं पाते हैं। तीसरी लड़ाई यह है कि परीक्षा हो जाए तो पेपर लीक नहीं हों। इन सबसे पार पाकर अगर परीक्षा दे दी तो चौथी लड़ाई है कि अंकों में गड़बड़ी नहीं हो या किसी अन्य धांधली का खुलासा न हो, जिसके बाद परीक्षा रद्द हो जाए। बहरहाल, 'एग्जाम वॉरियर्स' के अलावा मोदी ने 11 और किताबें लिखी हैं। एक किताब का नाम है 'साक्षी भाव' यह किताब प्रभात प्रकाशन से छपी है और यह मोदी की कविताओं का संग्रह है, जिसमें पहली कविता मां पर है। मोदी ने लिखा है कि ये कविताएं उन्होंने आत्मसुख के लिए लिखी है। ऐसे ही कविता की एक अन्य किताब है 'अ जर्नी: पोएम्स बाई नरेंद्र मोदी'। यह किताब रूपा प्रकाशन से छपी है। यह गुजराती में लिखी गई 67 कविताओं का संग्रह है, जिसका अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है। जलवायु परिवर्तन पर प्रधानमंत्री मोदी ने 'कन्वीनिएंट एक्शन' नाम से किताब लिखी है, जिसे लेक्सिस नेक्सिस नाम के प्रकाशन ने छापा है। ऐसे ही 'राष्ट्र सर्वोपरि मानने वाले तपस्वी मनीषियों का पुण्य स्मरण' करने के लिए मोदी ने 'ज्योति पुंज' नाम से किताब लिखी है, जिसे प्रभात प्रकाशन ने छापा है। सिंगापुर में उनके लेक्चर को लेकर भी एक किताब छपी है। इनमें कई किताबें ऐसी हैं, जो गुजराती, हिंदी में छपी हैं और फिर अंग्रेजी में अनुवाद हुआ है। 'सोशल हारमनी' और 'सामाजिक समरसता' नाम से दो किताबें हैं। इसके बरक्स सोनिया गांधी की पहली किताब है-'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव'। इस किताब की इतनी चर्चा है, जितनी हाल के दिनों में किसी किताब की नहीं हुई है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ कांग्रेस के नेताओं के बीच, उसके इकोसिस्टम में चर्चा है। बौद्धिक जगत में भी इस किताब पर बात हो रही है। हर प्लेटफॉर्म पर किताब की समीक्षा हो रही है। मीडिया और सोशल मीडिया में किताब के हर अध्याय को लेकर अच्छी या बुरी समीक्षा की जा रही है। भाजपा के प्रवक्ता उस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं तो भाजपा की सहयोगी पार्टियों के नेता भी किताब खरीद कर गर्व के साथ उसका प्रदर्शन कर रहे हैं। लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद अरुण भारती की तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें वे खान मार्केट के बाहरी संस से सोनिया गांधी की किताब लेकर निकल रहे थे।

भगवान बिरसा के बहाने जनजातियों के संघर्ष की याद

प्रो.संजय द्विवेदी

भारतीय समाज की स्मृति बहुत अल्प है। अपने नायकों और उनके कामों को भूल जाना यहां बहुत आसान है। ऐसे ही नायक हैं-भगवान बिरसा मुंडा। जिन्हें हमने लगभग भुला सा दिया था। कुछ अरसे पहले झारखंड के इस अप्रतिम नायक की राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई स्मृति बनती हो। किंतु नए समय में जब भारत अपने सांस्कृतिक नायकों को खोजकर उनके बारे में पढ़ रहा है, तब उसमें बिरसा की याद बहुत स्वाभाविक और मार्मिक हो उठती है। इसी बीच भारत सरकार ने वर्ष 2021 में यह निर्णय लिया कि प्रत्येक वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। जाहिर है इसका उद्देश्य हमारे जनजातीय नायकों और जनजातीय समाज की समृद्ध कला, संस्कृति, बोलियों और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित करना तथा उनके त्याग-बलिदान को समाज के सामने लाना रहा। भगवान बिरसा मुंडा झारखंड के खूंटी जिले के एक गांव में जन्में। उनका बचपन प्रकृति की गोद में बीता। माटी से प्यार और प्रकृति का संरक्षण का पाठ उन्होंने अपनी संस्कृति से सीखा और जीवन में भी उतारा। अंग्रेजी राज में जनजातीय समाज की दुर्दशा, उनके दमन और स्थानीय साहूकारों द्वारा अपने समाज का शोषण देखकर उनकी आत्मा कांप उठी। अंग्रेजी राज की दमनकारी नीतियां उनके निशाने पर थीं। जनजातीय समाज की स्वायत्तता बची और बनी रहे इसी भाव से उनके मन में क्रांतिकारी विचार आए। इससे ही उलगुलान (महाविद्रोह) की भावभूमि बनी। 1899-1900 के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में अंग्रेजी सरकार की दमनकारी नीतियों के विरोध में महान सशस्त्र विद्रोह हुआ, इसे ही इतिहास में उलगुलान के नाम से जाना गया। यह सिर्फ राजनीतिक विद्रोह नहीं था वरन जल,जंगल, जमीन पर जनजातियों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा के लिए शंखनाद भी था। इस आंदोलन ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, एकता और सांस्कृतिक स्वायत्तता का भी आधार तैयार किया। अपने इन्हीं सार्थक प्रयासों के नाते भगवान बिरसा को धरती आबा (यानी धरती पिता) कहा गया। लोकमन में उनकी स्मृति इतनी सघन है कि वे तमाम युवाओं के आदर्श बन गए। संघर्ष के प्रतीक और अप्रतिम नायक तो बने ही। उलगुलान, निस्संदेह, एक विद्रोह से कहीं बढ़कर था। यह लड़ाई न्याय और सांस्कृतिक पहचान दोनों के लिए थी। भगवान बिरसा मुंडा की सूझबूझ ने एक ओर जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी ज़मीन पर स्वामित्व और खेती करने के अधिकार को, तो दूसरी तरफ जनजातीय रीति-रिवाज़ों और सामाजिक मूल्यों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया। महात्मा गांधी की तरह, उनका संघर्ष भी न्याय और सत्य की खोज से प्रेरित था। जनजातीय समाज की मूल चेतना प्रकृतिजीवी है। प्रकृति का संरक्षण और प्रकृति से संवाद इस समाज की पहचान है। भारतीय चित्त के प्रकृति प्रेम को जनजातीय समाज ने अपने जीवन में उतारा है। अपने समाज के उत्थान, विकास, अधिकारों की रक्षा, उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए सिर्फ मुंडा समाज में ही नहीं बल्कि समूचे जनजातीय समाज में वे आदर प्राप्त कर सके। इस तरह वे जननायक ही नहीं बल्कि जीवन को बदलने वाले अवतार की तरह सामने आए। वे क्रांतिकारी हैं, समाज सुधारक हैं, प्रकृतिप्रेमी हैं,विद्रोही हैं। हर अवतार में पूर्ण। भगवान बिरसा की सोच साफ थी कि प्रकृति और वन संपदा पर जनजातीय समाज का पहला और अंतिम अधिकार है। अंग्रेजों द्वारा लाए गए वन कानूनों के माध्यम से जनजातियों को उनके ही मूल स्थान से बेदखल करने का उन्होंने ताजिंदगी विरोध किया। भगवान बिरसा के नेतृत्व में चले आंदोलनों का ही परिणाम था कि अंग्रेजी सरकार झुकी। इसके बाद उनकी शहादत रंग लाई और सरकार को छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट,1908) लाना पड़ा। जिससे जनजातियों के अधिकार संरक्षित हुए। जनजातियों की जमीन का अवैध हस्तांतरण को रोकने के लिए यह कानून प्रभावी साबित हुए। यह कानून जनजातियों का सुरक्षा कवच बना। भगवान बिरसा एक चिकित्सक भी थे। उनके इस गुण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा है- बीमारों की सेवा करना उनके लिए मिशन था। उन्हें एक उपचारकर्ता का प्रशिक्षण मिला था, और अद्भुत घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि ईश्वर ने उन्हें एक महान उपचारक का विशेष स्पर्श दिया है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे किसी भी बीमार व्यक्ति को उनके पास लाएं, और कहा, यदि यह संभव नहीं है तो मैं खुद बीमारों से मिलने आऊंगा। वे गांव-गांव बीमारों से मिलने जाते थे, और अपने कौशल और अपने उपचार करने वाले स्पर्श से असंख्य लोगों को स्वस्थ कर देते थे। भगवान बिरसा मुंडा के अलावा अन्य जनजातीय नायकों को भी हम इस दिन याद करते हुए उनकी पावन स्मृति से संबल प्राप्त करते हैं। इनमें तिलका मांझी, सिद्धू और कान्हू मूर्मू, वीर बद्धु भगत, टंट्या भील मामा, अल्लूरी सीताराम राजू, रानी गाडगिन्यू और वीरनारायण सिंह जैसे महान सेनानी शामिल हैं। इन सबने अपने देश और धर्म की रक्षा करते हुए अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी। जनजातीय नायकों की स्मृति संरक्षण के लिए अब देश भर में प्रयास हो रहे हैं। सरकारों द्वारा विभिन्न राज्यों में जनजातीय संग्रहालयों का निर्माण किया है। इन संग्रहालयों में जनजातीय संस्कृति, कलाकृतियों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान की गाथाओं को सहेज कर रखा गया है। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास भी इस दिशा में काफी सराहनीय हैं। जहां जनजातीय समाज को केंद्र में रखकर अनेक प्रयास हो रहे हैं। भारत सरकार कई राज्यों में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय स्थापित करने के साथ आदिवाणी और आदिसंस्कृति जैसे डिजिटल माध्यमों से जनजातीय बोलियों, कलाओं के सहेजने और संरक्षित करने का प्रयास भी कर रही है। जनजातीय गौरव दिवस मनाते समय हमें देखना है कि क्या हममें जनजातीय समाज के प्रति अपेक्षित संवेदना बची हुई है।

राहुल गांधी की चुनौती क्यों स्वीकार नहीं करते मोदी

योगेंद्र योगी

हेला ने पूछा था कि प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस के सवाल क्यों नहीं लेते? क्या आप हमारी सरकार के विश्वास के योग्य हैं? पीएम मोदी ने इन सवालों का कोई जवाब नहीं दिया था। हेला के सवाल पर भारत में भी काफी बहस रही। तब भी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को आड़े हाथों लिया और पूछा कि सवालों से घबरा क्यों रहे हैं? इन विवादों को सुलझाने के लिए विदेश मंत्रालय ने भारत के लोकतंत्र का बचाव किया। पीएम मोदी के इस दौरे में दूसरी बार था, जब इन मुद्दों पर सरकार को सफाई देनी पड़ी। रिपोर्ट्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा जारी 2026 के वर्ल्ड विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत को 180 देशों में 157वां स्थान मिला है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित होती है वास्तविक लोकतंत्र वहीं होता है, जहां सत्तापक्ष विपक्ष और पत्रकारों के सवालों के जवाब दे। देश में सत्तापक्ष का मुखिया प्रधानमंत्री होता है, इसलिए सवालों का अंतिम पड़ाव भी प्रधानमंत्री होता है। इस दृष्टि से भारतीय लोकतंत्र का यह पक्ष कमजोर माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सत्ता में आने के बाद से लगातार विपक्ष और पत्रकारों के सवालों की उपेक्षा के आरोप लगते रहे हैं। यह आरोप सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लगे हैं। इतना ही नहीं, विपक्ष की आवाज दबाने के आरोपों का सामना लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को करना पड़ा है। सर्वाधिक आश्चर्य की बात यह है कि पीएम मोदी ने कभी भी विपक्ष के आरोपों का सीधा जवाब नहीं दिया। ऐसे मौकों पर पीएम मोदी के बजाय भाजपा के नेता और मंत्री ही सवालों के जवाब आरोपों के अंदाज में देते रहे हैं। पीएम मोदी मन की बात या दूसरे मुद्दों पर सोशल मीडिया का ही उपयोग करते रहें हैं। संसद और बाहर उठाए गए सवालों के जवाब में सत्तारूढ़ भाजपा ने उल्टे सवाल पूछ कर मुद्दों को गोलमोल करने का प्रयास किया है। विपक्ष यही आरोप संसद सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति पर लगाता रहा है। राहुल गांधी ने 3 दिन में 4 बार पीएम को मुद्दों पर बहस करने की चुनौती दी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर विदेशी ताकतों के दबाव में काम करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मोदी विपक्ष पर देश विरोधी होने और विदेशी ताकतों से संबंध रखने के आरोप लगाते हैं, इसलिए उन्हें इन मुद्दों पर खुली बहस करनी चाहिए। राहुल ने बहस के लिए भारत-अमेरिका ट्रेड डील, देश की आर्थिक व्यवस्था, उद्योगपति गौतम अडाणी और जेप्री एपस्टीन से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि बहस में देश के युवा और मीडिया भी मौजूद रहें। प्रधानमंत्री अपनी पसंद की जगह और जज चुन सकते हैं। राहुल गांधी ने संसद की कार्यवाही को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि सरकार चर्चा की बात करती है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका नहीं देती। उन्होंने कहा कि जब वे बोलने की कोशिश करते हैं तो उनका माइक बंद कर दिया जाता है। 2 नवंबर को राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी। इसी तरह 3 नवंबर को राहुल ने वीडियो जारी कर कहा कि मोदी को बहस की चुनौती दिए 24 घंटे हो चुके हैं, लेकिन उनकी तरफसे जवाब नहीं आया। पंजाब के संगरूर में 4 नवंबर को कांग्रेस की इंसाफ रैली में राहुल ने फिर मोदी को चुनौती दी। राहुल ने दावा किया कि पांच मिनट की बहस में वे साबित कर देंगे कि मोदी 'देशद्रोही' हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नियंत्रण में हैं। राहुल के सवालों पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब देने के बजाय उल्टे सात सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि अगर राहुल इन बातों पर अमल करें तो कांग्रेस संसद में ज्यादा सीटें जीत सकती है। रिजिजू ने कहा- राहुल को भाजपा को दुश्मन नहीं, राजनीतिक विरोधी समझना चाहिए। उन्हें भाजपा, आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत छोडक़र संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने संसद का एक पुराना वीडियो भी शेयर किया। इसमें वे भाषण दे रहे हैं और विपक्षी सांसद सदन से उठकर जाते दिख रहे हैं। राहुल पहले भी बहस की चुनौती दे चुके हैं। राहुल ने अगस्त 2018 में कर्नाटक के बेलगाम में जनध्वनि रैली में राफेल मुद्दे पर कहा था कि मोदी जी और मेरे बीच राफेल पर बहस करा दो, मैं घंटों बोलूंगा। जनवरी 2019 में राहुल गांधी ने कहा कि राफेल पर लोकसभा में मुझे पीएम के साथ 20 मिनट वन टू वन बहस करने दो, अमरीका के प्रेसिडेंशियल डिबेट की तरह। साथ ही कहा था कि पीएम में हिम्मत नहीं है। 7 अप्रैल 2019 को भ्रष्टाचार पर मेनिफेस्टो लॉन्च पर मोदी के एक इंटरव्यू के बाद राहुल ने ट्वीट किया था कि आप भाग सकते हैं, लेकिन छिप नहीं सकते, मैं आपको भ्रष्टाचार पर बहस की चुनौती देता हूं। गौरतलब है कि 2024 चुनाव से पहले भी राहुल समेत विपक्ष ने पूर्व जजों (मदन लोकुर, एपी शाह) के जरिए पीएम को लेटर लिखकर नेशनल सिक्योरिटी, अडानी, इलेक्टोरल बॉन्ड पर डिबेट को कहा था, जिस पर पीएमओ की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया।



अपने कर्मों का फल स्वयं भोगना पड़ता है, कर्मों को काटना भी स्वयं को ही होगा : मुनि श्री समतासागर महाराज जी



कुण्डलपुर (म.प्र.) (विश्व परिवार)। निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज ने धर्म, जीवन की सार्थकता और कर्म सिद्धांत की गहन व्याख्या करते हुए कहा कि जीवन मिलना सबसे ज्यादा दुर्लभ है और उसे सार्थक एवं सफल बनाना उससे भी अधिक कठिन है। धर्म का वास्तविक स्वरूप बाहरी क्रियाओं, वेशभूषा अथवा धार्मिक मुद्रा से नहीं, बल्कि हमारे भीतर के भावों की निर्मलता और विशुद्धता से निर्धारित होता है। जिसके परिणाम जितने निर्मल और विशुद्ध हैं, आध्यात्मिक दृष्टि से वही उतना ही धार्मिक है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन 'विद्यावाणी' एवं क्षेत्रीय प्रचार मंत्री जयकुमार जैन 'जलज' ने बताया कि मुनि श्री ने कहा कि किसी व्यक्ति की बाहरी मुद्रा देखकर उसके धार्मिक होने का निर्णय नहीं किया जा सकता। कोई व्यक्ति शांत बैठकर ध्यान करता दिखाई दे, लेकिन उसके भीतर किसी के प्रति अहित की भावना, दुर्ध्यान अथवा आर्त-रौद्र परिणाम चल रहे हों तो उसकी मुद्रा भले ही धार्मिक हो, लेकिन उसके भावों में धर्म नहीं है। इसके विपरीत कोई व्यक्ति व्यापार, नौकरी और पारिवारिक जिम्मेदारियों में व्यस्त है, लेकिन उसके भीतर कषायों की मंदता है और वह आत्मचिंतन करता है कि कब ऐसा अवसर मिलेगा जब मैं भी निराकुल होकर धर्म और आत्मसाधना कर सकूं, तो उसके परिणामों में भी धर्म की शुरुआत हो सकती है। धर्म एक ही कदम में पूर्ण नहीं होता, बल्कि कदम-दर-कदम आगे बढ़ने की प्रक्रिया है। गृहस्थ और गृहत्यागी की दिनचर्या अलग हो सकती है, लेकिन दोनों के आंतरिक परिणामों की दिशा आत्मकल्याण और शांति की ओर होनी चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि ज्ञानी हो या अज्ञानी, धर्म को समझने वाला हो अथवा उसकी व्याख्या से अनभिज्ञ, प्रत्येक प्राणी सुख और शांति चाहता है। अंतर केवल सुख की परिभाषा का है। अनेक लोग मानते हैं कि जिसके पास जितने अधिक भौतिक साधन हैं, वह उतना ही सुखी है, लेकिन यह धारणा सही नहीं है। यदि साधनों की अधिकता ही सुख का आधार होती तो चक्रवर्ती भरत जैसे महान वैभवशाली सम्राट के जीवन में व्याकुलता और संक्लेश के परिणाम क्यों उत्पन्न होते? उनके पास छह खंड का साम्राज्य, अपार वैभव और बत्तीस हजार राजाओं की व्यवस्था थी, फिर भी आंतरिक अशांति बनी रही। इससे स्पष्ट है कि भौतिक संपदा और आत्मिक सुख अलग-अलग विषय हैं। साधन पुण्य के उदय से प्राप्त होते हैं, लेकिन उनसे स्थायी शांति मिलना आवश्यक नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान सांसारिक कार्यों और मोह-माया से ऊपर उठकर ज्ञान और ध्यान के बल पर भगवत्ता को प्राप्त करते हैं। भगवान किसी जीव को अपनी इच्छा से स्वर्ग या नरक नहीं भेजते और न ही किसी का भाग्य बनाते-बिगाड़ते हैं। यह मान्यता कि भगवान की मर्जी से जीव संसार में सुख-दुःख भोगता है, जैन दर्शन की मान्यता नहीं है।

विज्ञान नगर में राष्ट्रीय शुभकामना परिवार का 18वां राष्ट्रीय अधिवेशन हर्षोल्लास पूर्ण वातारण सानंद संपन्न



कोटा (विश्व परिवार)। विज्ञान नगर जैन मंदिर परिसर में बड़ी भव्यता भक्ति भाव के साथ गणिनी आर्यिका 105 स्वति भूषण माताजी के पावन सानिध्य में आज संपन्न हुआ। राष्ट्र गौरव पारस जैन 'पार्श्वमणी' पत्रकार ने जानकारी देते बताया कि कार्यक्रम के अध्यक्षता इंदौर के प्रमुख समाजसेवी धर्मनिष्ठ भामाशाह हसमुख जैन गांधी इंदौर द्वारा की गई तथा दीप प्रज्ज्वलन सकल दिगंबर समाज कोटा के अध्यक्ष प्रकाश बज विमल नांता राजमल पाटौदी आशीष जैसवाल विनोद टोरड़ी मनोज जैसवाल ईश्वर सोनी अनिल ठौरा विकास जैन सहारनपुर सुनील जैन बंधु आगरा सुरेंद्र जैन रितेश सेठी द्वारा किया गया । मंगलाचरण नवगठित स्वस्ति भक्तामर महिला मंडल विज्ञान नगर द्वारा किया गया। शुभकामना परिवार की देशभर में 400 शाखाएं कार्यरत हैं जिसमें से आज उपस्थित शाखों के द्वारा बैनर प्रेजेंटेशन किया गया जिसमें शांति सागर जी महाराज छानी के चित्र व स्लोगन प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम स्थान अरुण जैन सरस्वती कॉलोनी द्वितीय स्थान कुसुम जैन आगरा एवं तृतीय स्थान वंदना जैन मालपुरा को प्राप्त हुआ इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को भी पुरस्कार दिया गया जिसमें प्रथम स्थान डॉक्टर विजय रोमा परतवाड़ा महाराष्ट्र श्रीमती रानी जैन सागर श्री अनिल ठौरा कोटा को प्राप्त हुआ सभी पुरस्कार जय कुमार कोठारी भीलवाड़ा एवं रमा जैन दिल्ली के द्वारा प्रदान किए गए इस अवसर पर स्वस्तिभूषण माताजी ने प्रवचन में कहा कि भक्तामर पाठ करने से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होकर सकारात्मक की ऊर्जा का संचार होता है तथा शुभकामना परिवार के माध्यम से एक साथ मिलकर एक दूसरे के सुख दुख में सहयोग करते हैं कुछ जानकारी देते हुए राजमल पाटोदी जी ने बताया कि कार्यक्रम का सफल संचालन प्रद्युम्न हरसोरा यथार्थ पाटनी द्वारा किया गया।

भड़हा व खपरीडीह खुर्द के किसानों का वर्षों पुराना सपना साकार

■ विधायक अनुज शर्मा ने किया नवीन धान उपार्जन केंद्र का शुभारंभ



खरोरा (विश्व परिवार)। क्षेत्र के अन्नदाताओं की सुविधा और धान खरीदी प्रक्रिया को अधिक सुगम, सरल एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति, बुड़ेनी (पंजीयन क्रमांक 911) के अंतर्गत नवीन धान उपार्जन केंद्र-भड़हा व खपरीडीह खुर्द का भव्य उद्घाटन समारोह अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में धरसीवां के विधायक अनुज शर्मा ने शिरकत की और विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र के किसानों को यह बहुप्रतीक्षित सौगात समर्पित की।

स्थानीय किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

भड़हा व खपरीडीह खुर्द और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों द्वारा लंबे समय से यहां एक नए धान उपार्जन केंद्र की मांग की जा रही थी। अब तक किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर-दराज के केंद्रों तक जाना पड़ता था, जिससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। किसानों की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए इस नवीन केंद्र की स्थापना की गई है। इसके शुरू होने से अब स्थानीय किसानों के समय, श्रम और परिवहन खर्च की बचत होगी, साथ ही धान खरीदी की व्यवस्था भी पहले से अधिक सुचारू हो सकेगी।

धर्म से पुरुषार्थ कर आत्मा को परमात्मा बनाया जा सकता है आचार्य श्री वर्धमान सागर जी



इंदौर (विश्व परिवार)। अरिहंत भगवान द्वारा प्रतिपादित धर्म से पुरुषार्थ कर आत्मा को परमात्मा बनाया जा सकता है आचार्य श्री वर्धमान सागर जी संगठन का बड़ा महत्व होता है क्योंकि संगठन में शक्ति होती है और संगठन से बड़े-बड़े कार्य आसानी से हो जाते हैं, इंदौर नगर धार्मिक ,राजनीतिक ,सामाजिक,आर्थिक दृष्टिकोण से ऐतिहासिक नगर है इंदौर नगर के समाज धर्म को जानना, सुनना और समझ कर अपनाना चाहते हैं ,इसलिए संघ का चातुर्मास इंदौर में करने हेतु आज सैकड़ो लोगों ने निवेदन किया है। संघ को चातुर्मास का निवेदन करने संघ को श्रीफल चढ़ाना , विभिन्न द्रव्यों से पूजन करना पर्याप्त नहीं है सभी को समय का दान देना जरूरी है। सम्यक कार्य कृति ही संस्कृति होती है सभी को खान-पान रहन-सहन संस्कार धार्मिक रखना चाहिए। यह मंगल देशना राजकीय अतिथि वात्सल्य वारिधी पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने इंदौर दिगंबर जैन समाज के विभिन्न मंदिरों सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी द्वारा मुनि श्री पूज्य सागर जी की प्रेरणा से श्री भरत जैन जीरभार के नेतृत्व में चातुर्मास करने के निवेदन के उपलक्ष्य में आयोजित धर्म सभा में व्यक्त की। डॉक्टर राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि धर्म, अर्थ ,काम और मोक्ष चार पुरुषार्थ होते हैं धर्म पुरुषार्थ साधु समागम से होता है अरिहंत भगवान द्वारा प्रतिपादित धर्म पुरुषार्थ कर आत्मा को परमात्मा बनाया जा सकता है। गुरु सानिध्य से जीवन का अंधकार दूर होता है आपकी आत्मा में अज्ञान रूपी अंधकार को गुरु ज्ञान रूपी प्रकाश से दूर करते हैं। आचार्य श्री ने आगे बताया कि मुनिश्री प्रभास सागर जी आर्यिका श्री सुदृष्टि मति माताजी ,एवं श्री निर्लेप मतीजी की संयम समाधि सल्लेखना चल रही है। सकल दिगम्बर जैन समाज इंदौर द्वारा आचार्य श्री की पूजन 36 द्रव्यों से की पूजन आर्यिका श्री महायश मति एवं श्री दिव्य यश मति ने कराई। इसके पूर्व दीप प्रवज्जलन कर अतिथियों ने आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की। श्रीफल मीडिया समूह इंदौर द्वारा प्रकाशित प्रवचनांश एवं श्रीफल पत्रिका ओर अन्य समाचार पत्रों का विमोचन आचार्य श्री एवं अतिथियों ने किया इस अवसर पर आचार्य श्री के स्कूल शिक्षा के के मित्र दिलीप राजपाल भी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन रेखा जैन इंदौर, जिनेश झांझरी ने किया। आचार्य श्री की शिष्या आर्यिका श्री दिव्ययश मती जी ने आज के केशलोचन किये।

सुखदेव भगत के दौरे पर चंद्राकर ने कसा तंज, बोले- वोट बचाओ नहीं कांग्रेस बचाओ अभियान चलाओ



कुरुद (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा के वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कांग्रेस के अभियान पर तीखा कटाक्ष किया है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत के तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस को 'वोट बचाओ' नहीं, बल्कि 'कांग्रेस बचाओ अभियान' चलाना चाहिए।

'वोट बचाओ' नहीं, 'कांग्रेस बचाओ अभियान' चलाए कांग्रेस

अजय चंद्राकर ने कांग्रेस के 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा कि वोट चोरी का आरोप संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल खड़ा करता है। कांग्रेस के पास जनहित से जुड़ा कोई ठोस मुद्दा नहीं है। पार्टी अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने की जद्दोजहद में लगी हुई है। इसलिए उसे अपने अभियान का नाम बदलकर 'कांग्रेस बचाओ अभियान' कर देना चाहिए। सुखदेव भगत की राजनीतिक क्षमता पर कसा तंज कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर भी चंद्राकर ने निशाना साधा। उन्होंने उनकी राजनीतिक क्षमता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें पहले यह बताना चाहिए कि झारखंड में कांग्रेस कितने समय से सत्ता से बाहर है। उनके इस बयान को कांग्रेस संगठन और प्रदेश प्रभारी पर सीधे राजनीतिक हमले के रूप में देखा जा रहा।

रेवाबंध तालाब का होगा कायाकल्प, 3 करोड़ 80 लाख की लागत से बनेगी भव्य 'कृष्ण वाटिका'



कवर्धा (विश्व परिवार)। धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक आस्था की नगरी कवर्धा के सौंदर्यीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की मंशानुरूप शहर के ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण रेवाबंध तालाब का कायाकल्प करते हुए यहां 3 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से भव्य एवं आकर्षक 'कृष्ण वाटिका' विकसित की जाएगी। इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए निविदा जारी कर दी गई है। निविदा में भाग लेने की अंतिम तिथि 19 नवंबर निर्धारित की गई है।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के प्रमुख स्थलों के विकास, कायाकल्प और सौंदर्यीकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भव्य हनुमंत वाटिका के बाद अब रेवाबंध तालाब में कृष्ण वाटिका का निर्माण कवर्धा शहर को एक नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि कवर्धा केवल विकास के मामले में आगे बढ़े, ऐसा ही नहीं बल्कि शहर की पहचान उसकी धार्मिक आस्था, संस्कृति, हरियाली और सुंदरता से भी होनी चाहिए। इसी सोच के साथ रेवाबंध तालाब का कायाकल्प कर इसे एक आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

कृष्ण वाटिका को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने के साथ यहां हरियाली, सुंदर पाथवे, पुष्प सज्जा, बैठने की व्यवस्था, आकर्षक विद्युत प्रकाश, बच्चों के लिए झूले, ओपन जिम सहित नागरिकों के उपयोग की आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। यह वाटिका शहरवासियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगी। कृष्ण वाटिका को केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे नागरिकों के लिए उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। सुबह और शाम शहरवासी यहां टहलने, बैठने और प्रकृति के बीच समय बिताने का आनंद ले सकेंगे।

वरिष्ठ नागरिकों को श्रीरामलला दर्शन के लिए किया गया रवाना



भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला के दर्शन हेतु रवाना किया गया। इस अवसर पर निगम के समाज कल्याण विभाग के त्रिलोक ताम्रकार ने यात्रा में शामिल होने वाले सभी वरिष्ठ नागरिकों का तिलक लगाकर स्वागत एवं सम्मान किया। इसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं को निगम के वाहन से दुर्ग रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया गया, जहां से वे अयोध्या धाम की धार्मिक यात्रा पर प्रस्थान करेंगे। इस धार्मिक यात्रा को लेकर वरिष्ठ नागरिकों में काफी उत्साह एवं प्रसन्नता देखने को मिली। प्रभु श्रीरामलला के दर्शन की अभिलाषा लेकर यात्रा पर निकले सभी श्रद्धालुओं ने इस पहल के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। निगम द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक यात्रा के लिए आवश्यक सहयोग एवं सुविधा उपलब्ध कराई गई। अयोध्या धाम श्रीरामलला दर्शन हेतु रवाना होने वाले श्रद्धालुओं में राजकुंवर साहू, चंद्र प्रकाश साहू, भागवत दास साहू, लक्ष्मी बाई साहू, किशन लाल सिन्हा, नेतराम एवं विद्या कुमारी शामिल हैं।

केदार कश्यप व टंकराम वर्मा के आतिथ्य में भाजपा का भव्य दीपावली मिलन

■ एक मंच पर दिखी संगठन की ताकत, एकजुटता और कार्यकर्ताओं के उत्साह की झलक



जगदलपुर (विश्व परिवार)। दीपों की रोशनी, आत्मीयता की मिठास और संगठन की सामूहिक शक्ति... जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां भाजपा का पूरा परिवार उत्सव के रंग में नजर आया। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री एवं नारायणपुर जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा तथा कैबिनेट मंत्री एवं नारायणपुर विधायक केदार कश्यप के आतिथ्य में आयोजित इस समारोह में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे से मिलकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। समारोह में उत्सव के उल्लास के साथ संगठनात्मक एकजुटता और जनसेवा के संकल्प की भी झलक दिखाई दी।

कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत : टंकराम वर्मा

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, सद्भाव, विश्वास और सकारात्मकता का प्रकाश फैलाने का अवसर है। भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी उसका समर्पित कार्यकर्ता है। कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और संगठन के प्रति समर्पण ही पार्टी को मजबूती प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में केंद्र एवं छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार जनकल्याण, सुशासन और विकास के संकल्प के साथ काम कर रही है। सरकार की प्राथमिकता विकास की रोशनी को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

वैराग्य दिवस पर एलोरा गुरुकुल के छात्र मुनिश्री संधान सागर जी के दर्शनार्थ पधारे



सम्मेद शिखर जी (विश्व परिवार)। संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक, परम तपस्वी शिष्य परम पूजय मुनि श्री 108 संधानसागर जी महाराज ने 16 नवम्बर 2001 को घर छोड़ा था। 25 वर्ष वैराग्य दिवस के पूर्ण होने पर श्री पार्श्वनाथ दि. जैन गुरुकुल एलोरा के बालक मुनिवर के दर्शनार्थ आये। ज्ञात हो कि मुनि श्री ने इस दिन 4 लाइन का पत्र माता-पिता के नाम से लिखकर इस युग के भगवान आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के पादमूल में आये। गुरुवर ने उन्हें सहज ही स्वीकार किया और रोहित से बना दिया मुनि संधानसागार जी। इन 25 वर्षों में गुरुदेव जयपुर नहीं गये । आचार्य श्री ने उन्हें भाग्योदय तीर्थ सागर में लगभग साढ़े तीन वर्ष रखा,10 वर्ष मुनि श्री 108 प्रमाणसागर जी से पास और 6 माह नेमावर आश्रम में रख 14 वर्ष बाद मुनि दीक्षा दी। 7 वर्ष तक गुरुदेव के साथ कदम से कदम मिलाकर छाया की भांति साथ रहे, फिर 3 वर्ष लगभग मुनि श्री दुर्लभसागर जी महाराम के साथ, रहकर धर्म प्रभावना की। अभी 3 वर्ष से गुरुदेव अपने ही शिक्षा गुरु मुनि प्रभाव सागर जी महाराज के साथ रहकर उनके सापनों को साकार कर समाज के लिए बड़ा योगदान दे रहे थे। इन 25 वर्षों में गुरुवर ने अनेक कीर्तिमान स्थापित किये। उन्होंने जहाँ विद्यावानी संकलन अभियान चलाया, वहीं दयोदय अहिंसा अभियान से नई अलख जगायी साथ ही विश्व का सबसे लोकप्रिय एवं अनेकों लोगों ही शंका का समाधान करने हेतु - शंका समाधान क ा य ॅ क्र म चलवाया। इसी के साथ उन्ने आंतरिक साधना मेंभी अपने को लगाये रखा। 72,36.24 घंटे आदि का लगातार ध्यान का अभ्यास कर अन्तर को निहारा। सम्मेदशिखर जी की 210 वंदना एवं मुनि अवस्था में 31 वंदना कर तीन शतक से अधिक (301) वंदना का कीर्तिमान स्थापित किया । हर दो माह में आचार्य श्री के साथ ही केशलोंच कर उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। अभी भी कर रहे हैं। ज्ञान-ध्यान तप में लीन ऐसे मुनिवर को सदैव नमन कर समाज गौरान्वित महसूस करता है।

जी महाराज के परम प्रभावक परम तपस्वी शिष्य मुनि श्री 108 संघानसागर जी महाराज ने आज तीर्थराज सम्मेद शिखर की 31वीं वंदना की। वैराग्य के 25 वर्ष पूर्व एवं 31 वंदना दोनों मणिकांतन योग बन गया । श्रावक उनसे कहते हैं हमें भी ऐसी शक्ति प्रदान करने का आशिर्वाद दो। एक विशेष बात कि मुनिवर अपने आहार में विगत 24 वर्ष से नमक-मीन नहीं लेते साथ ही 7 वर्ष से हरे फल सब्जी -इस नहीं लेते फिर भी वे ऊर्जावान बने रहते है। वे शिखर जी की पुरी वंदना 4 से 5 घन्टे में पूर्ण करलेते है। मुनि श्री का आत्म विश्वास बड़ा ही मजबूत है। परम पूज्य मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज सदैव उन्हें आयरमेन कहते हैं। वे पूर्ण वंदना के बाद भी अपने सभी कार्य सामान्य होकर करते रहते हैं। पूज्य मुनि श्री सदैव कहते है व्यस्त रहो-स्वस्थ रहो और मस्त रहो।

प्रदेश में बदहाल सड़कों का अंबार, 15 अक्टूबर से शुरू होना था मरम्मत कार्य, अब तक काम ठप: विजय झा, नेता आप

■ खराब सड़कों के कारण सड़क हादसों में 60% मौतें, सरकार की लापरवाही जनता पर भारी- विजय झा, आप नेता



रायपुर (विश्व परिवार)। आम आदमी पार्टी के नेता विजय झा ने प्रदेश की जर्जर और गड्ढों से भरी सड़कों को लेकर राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा 15 अक्टूबर से प्रदेश भर की सड़कों की मरम्मत शुरू करने का दावा किया गया था, लेकिन नवंबर का आधा महीना बीत जाने के बावजूद धरातल पर काम शुरू नहीं हो सका है। प्रमुख जिलों की बदहाल स्थिति सरकार की विफलता को उजागर किया है।

उन्होंने बताया कि दुर्ग और महासमुंद शहर की बदहाल सड़कों को नई शक्ल देने की तैयारी डामर की महंगाई और प्रशासनिक लेटलतीफी की भेंट चढ़ गई है। स्थिति यह है कि 4 बार टेंडर जारी होने के बावजूद काम करने के लिए कोई एजेंसी नहीं मिल पाई है, जिसके चलते शहर की 12 प्रमुख सड़कों का निर्माण व मरम्मत कार्य पूरी तरह रुका हुआ है।राजनांदगांव जिले में स्थिति और भी भयावह है। यहाँ 100 से अधिक सड़कें इस कदर बदहाल हैं कि वे चलने लायक भी नहीं बची हैं। विडंबना यह है कि इन सड़कों की मरम्मत के लिए विभाग के पास फंड तक उपलब्ध नहीं है। निर्माण कार्यों में गुणवत्ताहीनता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रायपुर-जगदलपुर मुख्य मार्ग पर लालपुर से शादाणी दरबार तक 35 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से बनी सड़क महज 5 साल में ही पूरी तरह खराब हो गई है। अब जनता की गाढ़ी कमाई के 20 करोड़ रुपये फिर से इसकी मरम्मत के नाम पर खर्च किए जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। खराब सड़कों और गड्ढों की वजह से प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 60 प्रतिशत मौतें खराब सड़कों के कारण हो रही हैं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, मंगलवार 17 नवंबर 2026

संक्षिप्त समाचार

ईस्ट कोस्ट रेलवे का महत्वपूर्ण कदम, 10 प्रमुख स्टेशनों पर लगी आधुनिक पार्सल स्कैनर मशीनें



जगदलपुर। रेलवे नेटवर्क के माध्यम से होने वाले पार्सल परिवहन को अधिक सुरक्षित बनाने और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में ईस्ट कोस्ट रेलवे (पूर्व तट रेलवे) ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। रेलवे ने अपने तीनों मंडलों के 10 प्रमुख पार्सल कार्यालयों में आधुनिक पार्सल स्कैनर मशीनें स्थापित कर शुरू कर दी हैं। इनमें खुर्दा रोड मंडल के पांच, संबलपुर मंडल के चार और रायगढ़ा मंडल का एक प्रमुख स्टेशन शामिल है। रेलवे प्रशासन के अनुसार खुर्दा रोड मंडल के अंतर्गत भुवनेश्वर, पुरी, खुर्दा रोड, कटक और ब्रह्मपुर (बरहमपुर) स्टेशनों पर पार्सल स्कैनर मशीनें शुरू कर दी गई हैं। इसी तरह संबलपुर मंडल के संबलपुर, टिटलागढ़, बलांगीर और कांटाबांजी में यह आधुनिक सुविधा चालू हो गई है, जबकि रायगढ़ा मंडल के अंतर्गत रायगढ़ा स्टेशन पर स्कैनर मशीन लगाई गई है। इसके अतिरिक्त, संबलपुर मंडल के केसिंगा और बरगढ़ रोड स्टेशनों पर भी मशीन लगाने का कार्य तेजी से जारी है। प्रतिबंधित वस्तुओं पर लगेगी लगाम स्टेशनों पर लगे पार्सल स्कैनर मशीनें आधुनिक सुरक्षा जांच प्रणालियों से लैस हैं, जिन्हें ट्रेनों में लोड करने से पहले बुक किए गए पार्सल और पैकेजों की गहन जांच के लिए तैयार किया गया है। इन मशीनों की मदद से ज्वलनशील पदार्थ, पटाखे, विस्फोटक, अनधिकृत सामग्री और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तत्काल पहचान हो सकेगी। इससे रेलवे नेटवर्क के जरिए खतरनाक सामानों के परिवहन पर प्रभावी रोक लगेगी और पार्सल संचालन की सुरक्षा प्रणाली और अधिक मजबूत होगी ।

गोंडवाना भवन बलौदा बाजार में मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

बलौदा बाजार । आदिवासी ध्रुव गोंड समाज खल्लारी महाकालेश्वर महासभा बलौदाबाजार द्वारा गोंडखपरी चक के गोंडवाना भवन बलौदा बाजार में आदिवासी समाज के महानायक जननायक व स्वतंत्रता के अमर सेनानी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनके द्वारा किये गये जल, जंगल, जमीन की रक्षा, अपनी संस्कृति, अपनी पहचान और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष, साहस और बलिदान को याद करते हुए बड़े ही हर्षोल्लास के साथ जंयती मनाया गया द्य बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर खल्लारी महाकालेश्वर महासभा के द्वारा सामाजिक नियमावली (बैलाज) पुस्तक का विमोचन एवं वाचन मातृ शक्ति - पितृ शक्ति, युवा शक्ति - युवती शक्ति एवं समस्त सगा समाज के बीच किया गया। जिसमें महासभा के अध्यक्ष कार्यकारणी और चको के सरपंच, मंत्रिमंडल एवं रायपंचो ने सबसे पहले स्वयं (खुद) कड़ाई से नियमावली का पालन करने और उसके बाद कराने का सहमती दिया गया और जो नियमावली का पालन नहीं करेगा उसके ऊपर उचित कार्यवाही किया जायेगा। समाज में जन्म संस्कार, विवाह संस्कार और मृत्यु संस्कार का जितने भी नेंग - जोग, रीति - नीति, नियम - संयम होता है उसको पूरी ईमानदारी से पालन करने का सहमती दिया गया। जन्म संस्कार के छठी में कपड़ा के स्थान में पैसा और मृत्यु संस्कार में काठी एवं दशगात्र में कपड़ा के स्थान पर रुपया पैसा देने का नियम बना और शराब पीकर सामाजिक कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न करता है तो भी कार्यवाही किया जायेगा।

जंगल में बाघ की दस्तक, तीन दिन से लोकेशन गायब, तेंदुए की मौत के बाद अब बाघ की सुरक्षा पर सवाल!

सारंगढ़-बिलाईगढ़। बिलाईगढ़ वन परिक्षेत्र के गाताडीह सर्किल अंतर्गत किसड़ा जंगल में 9 नवंबर को बाघ देखे जाने की सूचना मिली। 11 नवंबर को गांव में मुनादी कराई गई, लेकिन तीन दिन बाद भी बाघ की लोकेशन का पता नहीं चलना वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। सबसे बड़ा सवाल डिप्टी राधिका सिदार की मुख्यालय में उपस्थिति को लेकर है। जानकारी के अनुसार, उनका मुख्यालय छोड़कर करीब 20 किलोमीटर दूर भटगांव में किराए पर रहने की बात सामने आई है, जबकि मुख्यालय में सरकारी क्वार्टर उपलब्ध है। आखिर मुख्यालय में रहकर निगरानी क्यों नहीं की जा रही ? वहीं रेंजर माखनलाल बंजारे की कार्यप्रणाली पर भी सवाल हैं। पहले तेंदुए की संदिग्ध मौत और अब बाघ की लोकेशन का पता नहीं चलना, आखिर वन विभाग की निगरानी व्यवस्था कितनी प्रभावी है ? *ग्रामीणों से अपील:अकेले जंगल न जाएं, देर रात जंगल में घूमने से बचें। बाघ दिखाई देने पर उसके पास न जाएं और तत्काल वन विभाग को सूचना दें। वन विभाग के आला अधिकारी रेंजर माखनलाल बंजारे, डिप्टी राधिका सिदार और संबंधित बीट गार्ड की भूमिका की तत्काल जांच करें। मुख्यालय में निवास और गश्त के रिकॉर्ड की जांच कर लापरवाही प्रमाणित होने पर कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाए।आखिर बाघ कहां है ? उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है ? वन विभाग कब जवाब देगा ?



श्री कृष्ण गौशाला नैला में मंगलवार को मनाया जाएगा गोपाष्टमी पर्व, विधि-विधान से होगी गौमाता की पूजा

नैला-जांजगीर। श्री धर्म सेवा समिति नैला द्वारा संचालित श्री कृष्ण गौशाला परिसर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मंगलवार, 17 नवंबर को गोपाष्टमी पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। श्री कृष्ण गौशाला समिति के अध्यक्ष राजेश पालीवाल ने बताया कि गोपाष्टमी के अवसर पर गौशाला परिसर में विधि-विधान से गौमाता की पूजा-अर्चना और सेवा की जाएगी। इस दौरान गौमाता को भोग स्वरूप गुड़, चना और हरा चारा खिलाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि समिति द्वारा नैला स्थित इस गौशाला में वर्षों से निस्सहाय, बीमार और अपंग गायों की नि:स्वार्थ सेवा व देखभाल की जा रही है।



आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के सचिव पवन अग्रवाल, प्रदीप गोयल, पंकज अग्रवाल, मनोज अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी तैयारियों में जुटे हुए हैं। गोपाष्टमी पर्व पर गऊओं की पूजा भगवान श्री कृष्ण को अत्यंत प्रिय है और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गौमाता में सभी देवताओं का वास होता है। इस पावन अवसर पर कई स्थानों पर गायों की उपस्थिति में प्रभातफेरी व सत्संग संपन्न होते हैं। गोपाष्टमी की पूर्व संध्या पर शहर के मंदिरों में सत्संग-भजन और रात्रि कीर्तन के माध्यम से श्रद्धालु भक्ति रचनाओं का रसपान करते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई गौ-सेवा से मनुष्य का जीवन धन्य हो जाता है और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से सप्तमी तिथि तक भगवान श्री कृष्ण ने ब्रजवासियों की रक्षा के लिए अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को धारण किए रखा था। आठवें दिन जब देवराज इंद्र का अहंकार टूटा, तो वे भगवान श्रीकृष्ण की शरण में आकर क्षमा याचना करने लगे।

'धुरगुड़ा में बस्तर ओलम्पिक की धूम', 'खेल मैदान में उमड़ा दर्शकों का सैलाब'





'कलेक्टर और सीईओ ने चॉकलेट बांटकर बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला'

जगदलपुर/ बस्तर अंचल की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करने और ग्रामीण स्तर पर खेल संस्कृति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से जगदलपुर विकासखंड के ग्राम धुरगुड़ा में विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलम्पिक का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री पदलाम नाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में खेलों के प्रति अभूतपूर्व दीवानगी देखने को मिली और धुरगुड़ा का खेल मैदान खिलाड़ियों के जोश तथा दर्शकों की तालियों से गूंज उठा।

कार्यक्रम की गरिमा उस समय और बढ़ गई जब कलेक्टर श्री आकाश छिकारा तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय खन्ना विशेष रूप से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने धुरगुड़ा पहुंचे। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने मैदान में उतरकर न केवल खिलाड़ियों से आत्मीय परिचय प्राप्त किया, बल्कि उन्हें खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित भी किया।

प्रतियोगिता के दौरान पारंपरिक और लोकप्रिय ग्रामीण खेलों की धूम रही। कलेक्टर श्री छिकारा और सीईओ श्री खन्ना ने दर्शकों के बीच बैठकर वालीबॉल, कबड्डी और खो-खो जैसे रोमांचक मुकाबलों का भरपूर आनंद लिया। मैदान पर ग्रामीण युवाओं और स्कूली बच्चों की गजब की फुर्ती, टीम वर्क और अद्भुत खेल कौशल को देखकर दोनों अधिकारी बेहद प्रभावित हुए। उन्होंने खिलाड़ियों की प्रतिभा की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि बस्तर के युवाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने की पूरी क्षमता है।

इस दौरान एक बेहद आत्मीय और प्रेरक दृश्य तब देखने को मिला, जब अधिकारियों ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाने के लिए अपने हाथों से उन्हें चॉकलेट वितरित की। शीर्ष अधिकारियों से मिली इस सराहना और स्नेह से खिलाड़ियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और मैदान में नई ऊर्जा का संचार हो गया। उद्घाटन समारोह में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री पदलाम नाग ने अपने संबोधन में कहा कि बस्तर ओलम्पिक जैसा आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर दे रहा है, जिससे वे नशे और अन्य बुराइयों से दूर रहकर स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान दे सकेंगे। पूरे आयोजन के दौरान धुरगुड़ा में किसी बड़े उत्सव जैसा माहौल बना रहा और आसपास के गांवों से आए सैकड़ों ग्रामीणों ने अंत तक रुककर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

ड्राइवरों की हड़ताल से ठप हुआ बस्तर से लौह अयस्क परिवहन, 4200 से ज्यादा ट्रकों के थमे पहिए

जगदलपुर। बस्तर में ड्राइवरों के आंदोलन का असर अब सिर्फसड़कों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका सीधा असर बस्तर के बड़े ट्रांसपोर्ट कारोबार पर पडने लगा है। एशिया के सबसे बड़े ट्रक यूनियनों में शामिल बस्तर परिवहन संघ के हजारों ट्रकों के पहिए थम गए हैं।



ड्राइवरों की हड़ताल से बैलाडीला से लेकर नगरनार तक लौह अयस्क और पिग आयरन की ढुलाई प्रभावित है। हालात ये हैं कि बस्तर परिवहन संघ की करीब 2500 और बैलाडीला ट्रक ऑनर एसोसिएशन की लगभग 1700 ट्रकें अलग-अलग जगहों पर खड़ी हो चुकी हैं, यानी 4200 से ज्यादा ट्रकों का संचालन प्रभावित है। इससे करीब 4 हजार परिवारों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। दरअसल, बैलाडीला की खदानों और नगरनार स्थित एनएमडीसी से निकलने वाले लौह अयस्क और पिग आयरन को रायपुर समेत प्रदेश के दूसरे बड़े शहरों तक पहुंचाने में ट्रक परिवहन की अहम भूमिका है। हर दिन 300 से 400 ट्रकों के जरिए माल की ढुलाई होती है, लेकिन ड्राइवर संघ के आंदोलन के चलते पिछले 4 दिनों से यह पूरा परिवहन तंत्र लगभग ठप पड़ा है। इसका असर अब ट्रक मालिकों, परिवहन कारोबार और उद्योगों की आपूर्ति व्यवस्था पर भी दिखने लगा है। वहीं दूसरी तरफ ट्रकों के लिए व्यवस्थित पार्किंग और ट्रांसपोर्ट नगर की व्यवस्था नहीं होने से परेशानी और बढ़ गई है। शहर और नेशनल हाईवे के किनारे ट्रकों की लंबी कतारें लगने लगी हैं। इससे यातायात बाधित होने के साथ सड़क हादसों का खतरा भी बढ़ रहा है। ऐसे में ड्राइवरों की मांगों को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब बस्तर के ट्रांसपोर्ट कारोबार और आम लोगों के लिए भी बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। बस्तर परिवहन संघ के अध्यक्ष प्रदीप पाठक के मुताबिक, संघ में 2500 से अधिक ट्रक और करीब 2143 सदस्य हैं। ड्राइवरों की हड़ताल के चलते पिछले तीन दिनों से लौह अयस्क और पिग आयरन की ढुलाई प्रभावित है, जिससे लगभग 4 हजार परिवारों की आजीविका पर असर पड़ा है। उनका कहना है कि 12 नवंबर को संघ ने ड्राइवरों की मांगों के समर्थन में आंदोलन का समर्थन किया था, लेकिन अब लगातार परिवहन बंद रहने से ट्रक मालिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रदीप पाठक ने यह भी कहा कि बैलाडीला ट्रक ऑनर एसोसिएशन की करीब 1700 ट्रकें भी खड़ी हैं। बस्तर से रायपुर और दूसरे शहरों तक लौह अयस्क पहुंचाने का प्रमुख माध्यम सड़क परिवहन ही है, ऐसे में ट्रकों का संचालन रुकने से पूरा परिवहन कारोबार प्रभावित हो रहा है। इसके साथ उन्होंने शहर में ट्रांसपोर्ट नगर नहीं बन पाने पर भी चिंता जताई।

गुंजन एजुकेशन सेंटर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया फनफेयर एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता..

सक्ती। बाल दिवस के अवसर पर गुंजन एजुकेशन सेंटर, स्टेशन रोड, सक्ती में भव्य पनफेयर एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं कलात्मक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में द्रौपदी चंद्रा, अध्यक्ष जिला पंचायत सक्ती , एवं महेश चंद्रा उपस्थित रहे। वहीं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के विशेष अतिथि के रूप में मधु सलूजा एवं रिंकी अग्रवाल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में विद्यालय के संचालक नितिन सोनी एवं अन्नपूर्णा सोनी भी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके पश्चात दीप



प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न आकर्षक एवं प्रेरणादायक वेशभूषाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं फनफेयर में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए गए, जिनमें स्वादिष्ट व्यंजनों, मनोरंजक गतिविधियों एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

सैमसंग की एआई वॉशिंग मशीन : आधुनिक घरों के लिए समझदारी भरा विकल्प

गुरुग्राम: सर्दियां आते ही अलमारी से गर्म स्वेटर, भारी जैकेट, कंबल और चादरें निकल आती हैं, जिन्हें धोते समय ज्यादा देखभाल चाहिए। अलग-अलग कपड़ों के लिए अलग-अलग वॉश सेटिंग की जरूरत होती है, इसलिए कपड़े धोना जल्दी ही समय खाने वाला काम बन सकता है। सैमसंग WW12DB8B54GBTLअपने एआई वॉश, ऑटो डिस्पेंस और एआई कंट्रोल फीचर के साथ कपड़े धोते समय अंदाजा लगाने की जरूरत खत्म कर देती है और वॉश साइकिल के हर कदम को समझदारी से सरल बनाती है। कपड़े धोने को ज्यादा स्मार्ट, आसान और कारगर बनाने के लिए तैयार की गई यह मशीन पक्का करती है कि आपके सर्दियों के जरूरी कपड़ों को सही देखभाल मिले और आपको मौसम का मजा लेने के लिए ज्यादा समय मिले।

सैमसंग WW12DB8B54GBTL को कपड़े धोने के आपके रोज के काम को हर तरह से आसान और बेहतर बनाने के लिए तैयार किया गया है। जो परिवार एआई की सुविधा, कारगर धुलाई और टिकाऊपन का मेल चाहते हैं, उनके लिए एआई वॉशिंग मशीनों में यह मॉडल अपनी अलग पहचान रखता है।



एआई वॉश टेक्नोलॉजी: यह फीचर हर लोड का वजन, कपड़े की नरमी और गंदगी का स्तर भांपता है, और उसी हिसाब से पानी, डिटर्जेंट, भिगोने, खंगालने और स्पिन की सेटिंग तय करता है। इससे डिटर्जेंट का इस्तेमाल 15त्न तक कम होता है और हर लोड की धुलाई उसकी जरूरत के मुताबिक, सही ढंग से होती है।

वेदांता पावर ने सक्ती में बाल दिवस पर बच्चों को दीं स्मार्ट क्लास और विज्ञान प्रयोगशाला की सौगात

सक्ती: वेदांता पावर सक्ती थर्मल पावर प्लांट ने अपनी शैक्षणिक पहल 'प्रोजेक्ट विद्या' के तहत बाल दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान कंपनी ने छह गांवों के 350 से अधिक विद्यार्थियों तक अपनी पहुंच बनाई। समारोह का मुख्य आकर्षण सिंघीतराई हाई स्कूल में स्मार्ट क्लास और विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन रहा। इन सुविधाओं का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और विज्ञान की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना तथा स्कूल में पढ़ाई के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित करना है। इनके माध्यम से विद्यार्थी डिजिटल माध्यमों और प्रयोगों के जरिए अधिक रोचक एवं प्रभावी ढंग से सीख सकेंगे।

इस अवसर पर वेदांता पावर लिमिटेड के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक राजिंदर सिंह आहूजा ने कहा, बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा में निवेश करना देश के भविष्य को संवारने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। वेदांता पावर में हमारा मानना है कि प्रत्येक बच्चे को अपनी प्रतिभा निखारने, क्षमताओं का विकास करने और अपने सपनों को साकार करने के समान अवसर मिलने चाहिए। प्रोजेक्ट विद्या जैसी पहलों के माध्यम से हम बच्चों को सीखने का ऐसा वातावरण उपलब्ध करा रहे हैं, जो केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि उनमें जिज्ञासा, रचनात्मकता और नई चीजें सीखने की ललक भी पैदा करता है। हमारा प्रयास है कि बच्चे बेहतर अवसरों के साथ अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकें।



सिंघीतराई हाई स्कूल में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों और वेदांता पावर के कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, प्रोजेक्ट विद्या के अंतर्गत संचालित कोचिंग एवं अतिरिक्त शिक्षण कक्षाओं में नियमित रूप से उपस्थित रहने वाले एक विद्यार्थी को उसकी लगन और निरंतर प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। सिंघीतराई के अलावा ओड़ेकेरा, निमोही, सरायपाली, कनाकोट और कथरापाली के स्कूलों में भी बाल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में बच्चों के बीच मिठाइयां और उपहार वितरित किए गए। इस प्रकार, छह गांवों के 350 से अधिक विद्यार्थियों और समुदाय के सदस्यों ने बाल दिवस समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नई सुविधाओं के महत्व पर बात करते हुए शासकीय उच्च विद्यालय, सिंघीतराई के प्रधानाध्यापक एवं संकुल प्रभारी, सुभाष पटेल ने कहा, प्रोजेक्ट विद्या के तहत विज्ञान प्रयोगशाला और स्मार्ट क्लास का उद्घाटन हमारे स्कूल में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। विज्ञान प्रयोगशाला से बच्चों को प्रयोगों के माध्यम से सीखने, वैज्ञानिक सोच विकसित करने और नई चीजों को जानने की जिज्ञासा बढ़ाने में मदद मिलेगी। वहीं, स्मार्ट क्लास के माध्यम से पढ़ाई अधिक रोचक और प्रभावी बनेगी। हम वेदांता पावर और प्रोजेक्ट विद्या की पूरी टीम के आभारी हैं, जिन्होंने हमारे विद्यार्थियों की शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए ये सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। बाल दिवस समारोह ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और उपलब्धियों का उत्सव मनाने का अवसर भी दिया।

तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस की सौगात : वनमंत्री केदार कश्यप के प्रयासों से मिल रहा आर्थिक संबल

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से भी हज़ारों परिवारों को लाभ

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए 15 नवंबर का दिन खुशियों और आर्थिक राहत की सौगात लेकर आया। रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस के राज्यस्तरीय समारोह के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रोत्साहन पारिश्रमिक (बोनस) वितरण का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में वर्ष 2024 में लाभ में रही 386 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 4,25,507 संग्राहकों को कुल 62.27 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। इस अवसर पर प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप समेत मंत्रीगण, जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार वनांचल में रहने वाले आदिवासी एवं परंपरागत वनवासी परिवारों की आर्थिक समृद्धि और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े परिवारों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में तेंदूपत्ता संग्रहण ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के लाखों परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है। ऐसे में वन मंत्री श्री केदार कश्यप के प्रयासों से छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा तेंदूपत्ता तथा अन्य अराष्ट्रीयकृत लघु वनोपज के संग्रहण एवं विपणन की व्यवस्था को



लगातार मजबूत किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की इस पहल से प्रदेश के लाखों वनवासी परिवारों को रोजगार, अतिरिक्त आय और आर्थिक सुरक्षा का लाभ मिल रहा है। संग्रहण पारिश्रमिक के साथ बोनस और सामाजिक सुरक्षा सहायता मिलने से इन परिवारों को आर्थिक मजबूती मिलती है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व तथा वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से संग्राहकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद है। तेंदूपत्ता बोनस वितरण वनांचल के मेहनतकश संग्राहकों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता और उनकी मेहनत को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

देश में सर्वाधिक 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा संग्रहण पारिश्रमिक- प्रदेश में लगभग 13.50 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार पंजीकृत हैं। राज्य सरकार द्वारा तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से पारिश्रमिक दिया जा रहा है, जो देश में सर्वाधिक है। संग्रहण वर्ष 2026 में 11.53 लाख संग्राहक परिवारों ने कुल 13.85 लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया। इसके एवज में संग्राहकों को 761.90 करोड़ रुपये का संग्रहण पारिश्रमिक भुगतान किया गया।

बोनस और सामाजिक सुरक्षा का भी मिल रहा लाभ - राज्य सरकार केवल संग्रहण पारिश्रमिक तक सीमित नहीं है, बल्कि लाभ में रहने वाली समितियों के माध्यम से संग्राहकों को प्रोत्साहन राशि भी उपलब्ध करा रही है। संग्रहण वर्ष 2023 में लाभ वाली समितियों के 7.12 लाख संग्राहकों को जुलाई 2026 में 161 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन पारिश्रमिक दिया गया था। अब संग्रहण वर्ष 2024 की लाभांश राशि के रूप में 62.27 करोड़ रुपये के बोनस वितरण का शुभारंभ किया गया है। इसके साथ ही राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत वर्ष 2026 में अब तक 1,556 प्रकरणों में 21.92 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसी कड़ी में 300 नए प्रकरणों में 3.60 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि का वितरण भी किया जा रहा है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 17 नवम्बर 2026

विधायक भावना बोहरा ने जलेश्वर महादेव परिसर में विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

■ 55.20 लाख रुपए की लागत विधायक भावना बोहरा ने ग्राम डोंगरियाकला में जलेश्वर महादेव परिसर के विस्तार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का किया भूमिपूजन



पंडरिया (विश्व परिवार)। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम डोंगरियाकला में धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र जलेश्वर महादेव परिसर के विस्तार एवं सौंदर्यीकरण तथा सीसी रोड निर्माण कार्य का पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने भूमिपूजन किया। 55 लाख 20 हजार रुपए की लागत से जलेश्वर महादेव परिसर का विस्तार एवं सौंदर्यीकरण कर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही सीसी रोड निर्माण से आवागमन को सुगम बनाने में मदद मिलेगी। इससे ग्रामवासियों को सुविधाएं प्राप्त होंगी, साथ ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी सुविधा मिलेगी।

इस दौरान विधायक भावना बोहरा द्वारा 6 लाख रुपए की लागत से भव्य प्रवेश द्वार, 14 लाख रुपए की लागत से महादेव मंदिर से बी.टी.रोड तक सीसी रोड, 10 लाख रुपए की लागत से 7 सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार, 5 लाख रुपए की लागत से मंदिर व मेला परिसर में जलसंविरण कार्य एवं पानी टंकी व पेयजल व्यवस्था, 10 लाख रुपए की लागत से मंदिर एवं मेला परिसर में चेकर टाइल्स व पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य, 5 लाख रुपए की लागत से सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने तथा 5 लाख 20 हजार की लागत से अनुज के घर से मोहित साहू के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा का विकास केवल सड़कों, भवनों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन भी विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जलेश्वर महादेव जैसे आस्था के केंद्र हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। इन स्थलों का विकास आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगा। आज पंडरिया विधानसभा यहाँ के विकास, सड़कों के विस्तार, मिनी स्टेडियम, 250 सीटर नालंदा परिसर, प्रशासनिक सुविधाओं हेतु लिंक कोर्ट जैसे जनसुविधाओं तथा हमारे धार्मिक स्थलों के संरक्षण व जन आस्था के सम्मान के रूप में अपनी एक विशेष पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा एवं विभिन्न सांस्कृतिक व धार्मिक गतिविधियों के लिए मंदिर में 38 लाख रुपए की लागत से भवन निर्माण कार्य अपनी पूर्णत: की ओर है और जल्द ही उसका लोकार्पण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार गांवों के समग्र विकास, जनसुविधाओं के विस्तार तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में आस्था के केंद्रों के विकास, पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और सामुदायिक सुविधाओं के साथ धार्मिक स्थलों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

पटवारियों के आंदोलन को समर्थन देने माना तूता धरना स्थल पहुंचें : उपाध्याय

■ सरकार से मांगों का शीघ्र निराकरण करने की मांग की



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर आंदोलनरत पटवारी संघ के समर्थन में पूर्व विधायक विकास उपाध्याय माना तूता स्थित धरना स्थल पहुंचें। इस दौरान वे हड़ताल पर बैठे पटवारी साथियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और मांगों को सुनेंतथा उनके आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

विकास उपाध्याय का कहना है कि पटवारी राजस्व विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक आम जनता के जमीन संबंधी कार्यों, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्यों में पटवारियों की अहम भूमिका होती है। इसके बावजूद यदि उन्हें अपनी जायज मांगों को लेकर सड़क पर उतरकर आंदोलन करना पड़ रहा है, तो यह सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा कि पटवारियों की समस्याओं और लंबित मांगों का समाधान बातचीत के माध्यम से किया जाना चाहिए। सरकार को कर्मचारियों की आवाज दबाने अथवा उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करने के बजाय उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनना चाहिए। पटवारियों की हड़ताल के कारण आम जनता, किसानों और विद्यार्थियों को भी राजस्व संबंधी कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

विकास उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा कर्मचारियों, किसानों और आम जनता के अधिकारों की लड़ाई में उनके साथ खड़ी रही है। पटवारी भी हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनकी जायज मांगों के समर्थन में उनकी आवाज बुलंद करना हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि पटवारी संघ की सभी जायज मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए जल्द से जल्द समाधान निकाला जाए, ताकि पटवारियों की हड़ताल समाप्त हो और आम जनता को हो रही परेशानियों से राहत मिल सके।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने आरंग विधानसभा क्षेत्र के चार धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

■ मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी कर रही राज्य सरकार : मंत्री गुरु खुशवंत साहेब



रायपुर (विश्व परिवार)। कैबिनेट मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने सोमवार को आरंग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आरंग, लखौली, रूमतराई एवं अमेठी स्थित धान खरीदी केंद्रों का आज निरीक्षण कर धान खरीदी का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने खरीदी केंद्रों में धान लेकर पहुंचे किसानों को शुभकामनाएं दीं और उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने धान खरीदी केंद्रों में पहुंचकर खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने धान की तौल व्यवस्था, बारदानों की उपलब्धता, धान की गुणवत्ता एवं नमी परीक्षण सहित अन्य व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। खरीदी केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसानों को सुगमता और पारदर्शिता के साथ अपनी उपज बेचने की सुविधा मिल सके।

मेहनतकश किसानों को उचित मूल्य दिलाने सरकार प्रतिबद्ध

मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप किसानों के हित में किए गए वादों को पूरा किया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों की मेहनत का सम्मान करते हुए उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।उन्होंने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत प्रदेश में 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जाएगी। धान खरीदी की अधिकतम सीमा प्रति एकड़ 21 क्विंटल निर्धारित की गई है। इसके साथ ही पात्र किसानों को कृषक उन्नति योजना का लाभ भी प्रदान किया जाएगा।

'टोकन तुहर हाथ' ऐप के माध्यम से 24 घंटे टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध

मंत्री श्री साहेब ने कहा कि राज्य सरकार ने धान खरीदी की प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के लिए डिजिटल सुविधाओं का विस्तार किया है। किसानों को अब 'टोकन तुहर हाथ' ऐप के माध्यम से 24 घंटे टोकन प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की सुविधा अनुसार 2 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को एक टोकन, 2 एकड़ से अधिक एवं 10 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को दो टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को तीन टोकन प्राप्त करने की सुविधा दी गई है। धान की मात्रा प्रति बोरा 40 किलोग्राम निर्धारित की गई है, जबकि धान में नमी की अधिकतम स्वीकार्य सीमा 17 प्रतिशत रखी गई है। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि किसानों की सुविधा और सम्मान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पंजीकृत किसान बिना किसी परेशानी के अपनी उपज का विक्रय कर सके और शासन की योजनाओं का पूरा लाभ प्राप्त कर सके।

रायपुर ग्रामीण क्षेत्रांतर्गत थानों में जप्त मादक पदार्थों का सिलतरा स्थित नीको प्लांट में किया नष्टीकरण



रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर ग्रामीण के विभिन्न थानों में एन.डी.पी.एस. एक्ट के अंतर्गत पंजीबद्ध प्रकरणों में जप्त मादक पदार्थों का अधिनियम में निहित प्रावधानों, न्यायालय के आदेशों एवं शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप विधिसम्मत नष्टीकरण किया गया।

उपरोक्त नष्टीकरण की कार्यवाही में केन्द्र सरकार, गृह मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के दिशा-निर्देशों एवं एन.डी.पी.एस. एक्ट में निहित प्रावधानों के अनुरूप गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी द्वारा पुलिस अधीक्षक श्रीमति श्वेता श्रीवास्तव सिंहा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र श्रीवास्तव, उपायुक्त आबकारी रायपुर डॉ. प्रवीण वर्मा तथा थाना प्रभारियों की उपस्थिति में जायसवाल Neco प्लांट, सिलतरा में नष्टीकरण की कार्यवाही संपादित की गई।

उक्त नष्टीकरण की कार्यवाही में रायपुर ग्रामीण के थानों से जप्त 234 किलोग्राम गांजा, 326 नग प्रतिबंधित टेबलेट तथा 12 ग्राम MDMA को जनसामान्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्यावरणीय मानकों एवं प्रचलित वैधानिक प्रावधानों का पालन करते हुए जायसवाल निको प्लांट, सिलतरा के फर्नेस में विधिवत् नष्ट किया गया।

रायपुर (ग्रामीण)पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। जप्त मादक पदार्थों का समयबद्ध एवं विधिसम्मत नष्टीकरण अवैध मादक पदार्थों की पुन: अवैध उपयोग की संभावना को समाप्त करने तथा समाज को नशामुक्त एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कमिश्नर ने तोकापाल धान खरीदी केन्द्र का किया निरीक्षण

■ किसान महादेव मौर्य से चर्चा कर जानी धान खरीदी व्यवस्था की स्थिति



जगदलपुर (विश्व परिवार)। कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह ने सोमवार को बस्तर जिले के तोकापाल धान उपार्जन केन्द्र का आकस्मिक निरीक्षण कर धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने तौल व्यवस्था, बारदानों की उपलब्धता और धान की गुणवत्ता जांच का अवलोकन किया। साथ ही किसानों के लिए पेयजल, छायादार विश्राम स्थल एवं शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपार्जित धान को सुरक्षित रखने के लिए उचित स्टेकिंग और तिरपाल की व्यवस्था करने भी कहा।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने नमी मापक यंत्र से धान की नमी की जांच कराई, जो निर्धारित मानक 17 प्रतिशत से कम पाई गई। उन्होंने अधिकारियों को खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

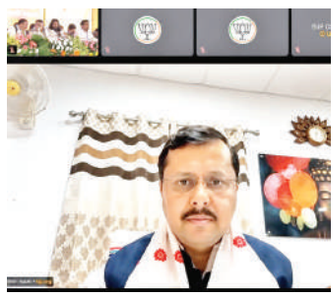
इस दौरान उन्होंने धान विक्रय करने पहुंचे राजूर निवासी किसान श्री महादेव मौर्य से चर्चा कर टोकन, तौल एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। किसान ने बताया कि उन्होंने 62 क्विंटल धान विक्रय के लिए ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया था तथा केन्द्र में 57.20 क्विंटल धान का तौल कराया है। उन्होंने केन्द्र में उपलब्ध टोकन एवं तौल, पेयजल सहित अन्य व्यवस्था पर संतोष जताया।

जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन को आदिवासी समाज ने नकारा : कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के नाम पर भाजपा सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एक लाख लोगों की भीड़ जुटाने का दावा किया गया था, लेकिन कार्यक्रम में मुश्किल से दस हजार लोग ही पहुंचे। कांग्रेस ने इसे सरकार के दावों और जमीनी हकीकत के बीच अंतर बताते हुए कहा कि आयोजन को आदिवासी समाज ने नकार दिया।

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि नितिन नवीन के धरमजयगढ़ नहीं पहुंचने पर भी सवाल उठाए। पार्टी का आरोप है कि क्षेत्र में आदिवासी समाज के बीच व्याप्त नाराजगी को देखते हुए उनका दौरा टाला गया और विजिबिलिटी को कारण बताना केवल एक बहाना था।

छठ महापर्व को लेकर निगम क्षेत्र के तालाबों में साफ-सफाई एवं आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था



भिलाई (विश्व परिवार)। छठ महापर्व के मद्देनजर नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर के विभिन्न तालाबों में व्यापक साफ-सफाई एवं आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगम प्रशासन द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं।

इसके तहत हुडको तालाब, सेक्टर-7 तालाब, सेक्टर-2 तालाब, सेक्टर-1 कुंड तालाब, लक्ष्मण तालाब, बापू नगर तालाब, बैकुंठ धाम तालाब, हाउसिंग बोर्ड सूर्यकुंड तालाब, नकटा तालाब कुरूद, भेलवा तालाब कोहका सहित अन्य तालाबों में साफ-सफाई कराई गई है। साथ ही घाटों एवं आसपास के क्षेत्रों में आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था भी की गई है।

छठ पर्व पर व्रतधारियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए निगम प्रशासन द्वारा तालाबों एवं घाटों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया है। निगम का उद्देश्य श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि सभी लोग श्रद्धा और उत्साह के साथ छठ महापर्व मना सकें।

साइबर ठगी की रकम का लेनदेन करने का आरोपी गिरफ्तार

■ थाना पिपरिया एवं साइबर पुलिस की संयुक्त कार्यवाही, विभिन्न राज्यों के 14 साइबर फ्रॉड प्रकरणों से संबंधित 6,64,322/- रुपये का हुआ लेनदेन।



कबीरधाम (विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अखिलेश कौशिक तथा उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री आशीष शुक्ला के दिशा-निर्देशन में साइबर अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों एवं उनके बैंक खातों के माध्यम से होने वाले अवैध लेनदेन पर लगातार निगरानी रखकर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में समन्वय पोर्टल पर प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना पिपरिया क्षेत्र के आरोपी शिव प्रकाश चंद्रवंशी के बैंक खाते में विभिन्न राज्यों के 14 साइबर फ्रॉड प्रकरणों से संबंधित रकम का लेनदेन होना पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी पिपरिया निरीक्षक श्री नितिन कुमार तिवारी एवं थाना प्रभारी साइबर निरीक्षक श्री उमाशंकर राठौर को संयुक्त रूप से तत्काल वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

निर्देशानुसार थाना पिपरिया एवं थाना साइबर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए अपराध क्रमांक- 389/2026, धारा 317(4), 318(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी शिव प्रकाश चंद्रवंशी पिता श्री सुरेश कुमार चंद्रवंशी, निवासी पिपरिया को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने एक दोस्त से 10,000/- रुपये लेकर अपना बैंक खाता उपयोग करने के लिए उपलब्ध कराया था, जिसके माध्यम से लगभग 6,64,322/- रुपये का लेनदेन किया गया। उक्त बैंक खाते में विभिन्न राज्यों के 14 साइबर ठगी के प्रकरणों से संबंधित रकम का लेनदेन होना पाया गया।

आरोपी की प्रकरण में संलिप्तता पाए जाने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

उक्त संयुक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी पिपरिया निरीक्षक श्री नितिन कुमार तिवारी, थाना प्रभारी साइबर निरीक्षक श्री उमाशंकर राठौर, उपनिरीक्षक श्री चंद्रकांत तिवारी सहित थाना पिपरिया एवं साइबर पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कबीरधाम पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि किसी भी व्यक्ति को कमीशन अथवा पैसों के लालच में अपना बैंक खाता, ए.टी.एम. कार्ड, चेकबुक या बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी उपलब्ध न कराएं। ऐसे खातों का उपयोग साइबर अपराधों से प्राप्त राशि के लेनदेन में किया जा सकता है, जिससे खाताधारक भी कानूनी कार्यवाही के दायरे में आ सकते हैं।

कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत आदिवासी समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें : अनुराग अग्रवाल

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अनुराग अग्रवाल ने कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत के तीन दिवसीय सरगुजा दौरे को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। श्री अग्रवाल ने कहा कि आदिवासियों के साथ किए गए छल और उपेक्षा के लिए सुखदेव भगत को सरगुजा दौरे के दौरान आदिवासी समाज से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री अग्रवाल ने सोमवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सुखदेव भगत को सरगुजा दौरे के समय आदिवासी समाज से माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि कांग्रेस ने हमेशा आदिवासियों को केवल वोट बैंक समझा और उनके विकास के लिए कोई ठोस कार्य नहीं किया। श्री अग्रवाल ने कहा कि 2003 से 2018 तक के जनादेश का हवाला देते हुए चुनावी आँकड़ों का जिक्र किया और कहा कि सन् 2018 के विधानसभा चुनाव में सरगुजा क्षेत्र की जनता ने कांग्रेस को भरपूर समर्थन दिया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने क्षेत्र का विकास नहीं किया, जिसके परिणामस्वरूप 2023 के चुनाव में सरगुजा के पूरे समाज ने भाजपा का साथ दिया।

वार्डो में विकास कार्य के लिए महापौर ने किया स्थल निरीक्षण

■ संविधान की प्रतिकृति का होगा सौदर्यीकरण, नकटी ग्राम में बने जैतखम्भ की तर्ज पर नंदई में बनेगा जैतखम्भ



राजनांदगांव (विश्व परिवार)। मूलभूत सुविधा बिजली,पानी सफाई के अलावा वार्डो में सौदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्य के लिए महापौर श्री मधुसूदन यादव आज सुबह विभिन्न वार्डो में स्थल निरीक्षण किए। निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम, संबंधित वार्ड के पार्षद सहित अधिकारियो के साथ उन्होनें आम्बेडकर चैक व नंदई चैक, मोती तालाब में सौदर्यीकरण तथा अनुपंम नगर, शिवनाथ कालोनी, पुत्रीशाला, बसंतपुर कोडी खाना में विभिन्न विकास कार्य के लिए स्थल निरीक्षण किया।

महापौर श्री यादव आज सुबह मोती तालाब में छठ पर्व पर आयोजित पूजा में शामिल होने के पश्चात शहर में विकास कार्य के लिए स्थल निरीक्षण किए। सर्वप्रथम उन्होंने मोती तालाब में घाट निर्माण के लिए अधिकारियो को दिशा निर्देश दिए। इसके पश्चात सौदर्यीकरण की दिशा में उन्होने आम्बेडकर चैक में बने संविधान की प्रतिकृति का सौदर्यीकरण करने स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के पूर्व आवश्यकता अनुसार ग्रेनाईट लगाकर रंगरोगन कर सौदर्यीकरण करना है। इसी कडी में उन्होनें नंदई चैक स्थित गुरू घासीदास भवन के सामने जैतखम्भ निर्माण के लिए अवलोकन कर नकटी ग्राम में बने जैतखम्भ के तर्ज पर जैतखम्भ निर्माण करने निर्देशित किए। उन्होंने कहा कि जैतखम्भ निर्माण के लिए लेआउण्ट दे तथा नकटी ग्राम में जाकर जैतखम्भ देख उसके अनुसार ड्राईंग डिजाईन तैयार करे। उन्होंने कहा कि मूलभूत सुविधा के अलावा चैक चैराहो का सौदर्यीकरण करना भी नगर निगम की प्राथमिकता है।

अनुपंम नगर एस.पी. टावर रोड को चैडीकरण करने मोहल्ले वासियो की मांग पर महापौर ने अधिकारियो के साथ मार्ग का निरीक्षण कर कहा कि मोहल्ले वासियो की भावना को ध्यान में रखकर चैडीकरण के लिए कार्य योजना बनाकर कार्य करे। इसी प्रकार उन्होंने महादेव मंदिर परिसर में मरम्मत के तहत टाईल्स लगाने के निर्देश दिए। वार्ड विकास के तहत शिवनाथ कालोनी के पास सीमेंट रोड बनाने स्थल निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिए। पुत्रीशाला परिसर का निरीक्षण कर महापौर ने काम्पलेक्स निर्माण प्रक्रिया के प्रगति की जानकारी ली। कार्यपालन अभियंता श्री दीपक खण्डे ने जानकारी दी कि परिसर के जीर्ण क्षीर्ण भवन को तोडने रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करने के साथ साथ ड्राईंग डिजाईन तैयार कर आगे की प्रक्रिया की जा रही है। महापौर ने बसंतपुर कोडी खाना की भूमि की सुरक्षा के लिए चैन फैंसिंग का प्रस्ताव डीएमएफमद में भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी दिये गये निर्देशों के अनुसार कार्य करने के साथ साथ अपने अपने वार्डो में चल रहे कार्य की सतत मानिटरिंग करेंगे और गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्व कराना सुनिश्चित करेंगें।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 17 नवम्बर 2026

छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धीरे-धीरे ठंड महसूस होने लगी है। सुबह और रात के वक्त लोग गर्म कपड़े और अलाव का सहारा ले रहे हैं, इस बीच मौसम का मिजाज फिर बदलने वाला है। ठंड के बीच बारिश के संकेत हैं. फ्लिहाल मौसम शुष्क बना हुआ है, लेकिन 4 दिनों के बाद बारिश हो सकती है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में 25 दिन से कम समय में तीसरा तूफान की दस्तक होने जा रही है। रविवार को बना वायुमंडलीय डिप्रेशन आज चक्रवाती तूफान में बदलने के आसार हैं। वहीं 17 नवंबर को यह गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है, जिसे संभावित नाम अकवान दिया जा सकता है। अनुमान है कि इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ के दक्षिणी और उत्तरी भीगने की संभावना है।

छठ महापर्व लोक आस्था, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का अनुपम संगम : मुख्यमंत्री साय

■ उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना



रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छठ महापर्व के पावन अवसर पर अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ जशपुर जिले के कुनकुरी स्थित छठ घाट में उगते सूर्यदेव को उषा अर्घ्य अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, खुशहाली और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति की मंगलकामना की। इस अवसर पर उन्होंने छठ व्रतियों, श्रद्धालुओं सहित समस्त प्रदेशवासियों को लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छठ घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं और व्रती महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत सौभाग्य और प्रसन्नता का अवसर है कि उन्हें अपने कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में श्रद्धालुओं के बीच छठ महापर्व में सम्मिलित होकर भगवान सूर्यदेव की आराधना करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व हमारी सनातन संस्कृति, अटूट लोक आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अनुपम संगम है। यह पर्व हमें जीवन के आधार सूर्य, जल और प्रकृति के प्रति श्रद्धा एवं आभार व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। छठ पूजा में निहित पवित्रता, अनुशासन, संयम, तप और समर्पण की भावना भारतीय संस्कृति की महान परंपराओं को प्रतिबिंबित करती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुनकुरी सहित पूरे जशपुर अंचल में छठ महापर्व के प्रति लोगों की गहरी आस्था है। यहां यह पर्व पूरी श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है। छठ महापर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता, पारिवारिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि हमारी समृद्ध परंपराएं ही समाज को एकजुट रखने और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य करती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान सूर्यदेव और छठी मैया से प्रार्थना की कि उनकी कृपा से प्रदेश के प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि बनी रहे। छत्तीसगढ़ विकास, प्रगति और खुशहाली के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे तथा सभी प्रदेशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा, आशा और सकारात्मकता का संचार हो। इस अवसर पर कलेक्टर श्री रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में छठ व्रती महिलाएं एवं श्रद्धालु उपस्थित थे।

कमिश्नर डोमन सिंह ने चिंगपाल में बस्तर ओलम्पिक का लिया जायजा

■ फुटबॉल फाइनल मुकाबले के खिलाड़ियों से रूबरू होकर बढ़ाया उत्साह, बेहतर प्रदर्शन के लिए दी शुभकामनाएं



जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर संभाग में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण अंचलों के युवाओं को खेलों के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित बस्तर ओलम्पिक के तहत सोमवार को कमिश्नर बस्तर श्री डोमन सिंह ने दरभा विकासखंड के चिंगपाल में आयोजित खंड स्तरीय प्रतियोगिता का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न खेल स्पर्धाओं के आयोजन की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को प्रतियोगिता का सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर श्री सिंह ने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए पेयजल, भोजन, ठहरने तथा चिकित्सा सुविधा के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। खेल के दौरान किसी खिलाड़ी को चोट लगने अथवा स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आवश्यकता पड़ने पर बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए संबंधित खिलाड़ी को उच्च चिकित्सा संस्थान में भी रिफर किया जाए।

इस अवसर पर कमिश्नर श्री डोमन सिंह सीनियर बालक वर्ग के छिन्दावाड़ा एवं चिंगपाल के मध्य आयोजित होने वाले फुटबॉल फाइनल मुकाबले के खिलाड़ियों से रूबरू हुए। उन्होंने दोनों टीमों के युवा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।

लोक आस्था के छठ महापर्व पर लक्ष्मी राजवाड़े ने अस्ताचलगामी सूर्यदेव को दिया संध्या अर्घ्य



■ प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और कल्याण के लिए छठी मैया से की प्रार्थना

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री और बलरामपुर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े छठ महापर्व के अवसर पर बलरामपुर के सेंदुर नदी बैगा पारा स्थित छठ घाट पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने व्रतधारी महिलाओं और श्रद्धालुओं के साथ अस्ताचलगामी भगवान सूर्यदेव को संध्या अर्घ्य अर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने छठी मैया से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और कल्याण की कामना की। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने सभी को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व आस्था, तप, संयम और पवित्रता का प्रतीक है। यह प्रकृति, जल और सूर्यदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। साथ ही, परिवार और समाज को जोड़कर सामूहिकता तथा सद्भाव का संदेश देता है।

सेंदुर नदी तट पर पारंपरिक छठ गीतों और श्रद्धा-भक्ति के वातावरण में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, व्रतधारी महिलाएं, श्रद्धालु और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

छठ महापर्व पर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने सूर्य देव को दिया अर्घ्य

■ माताओं-बहनों से लिया आशीर्वाद



रायपुर (विश्व परिवार)। लोक आस्था, सूर्य उपासना एवं छठी मैया की आराधना के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर पूर्व विधायक विकास उपाध्याय रायपुर के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित छठ पूजा कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने हीरापुर के टेगना तालाब एवं छुया तालाब, गुढ़ियारी के मच्छी तालाब, खमतराई, समता कॉलोनी, महादेव घाट एवं महाराजबंध तालाब सहित रायपुर के विभिन्न छठ घाटों में पहुंचकर श्रद्धालुओं के साथ छठी मैया की पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर विकास उपाध्याय ने छठ व्रती माताओं एवं बहनों के साथ विधि-विधान से सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त कर प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

विकास उपाध्याय ने कहा कि छठ महापर्व हमारी भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और सामाजिक एकता का अद्भुत प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रकृति एवं सूर्य देव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ त्याग, तपस्या, अनुशासन और परिवार के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। छठ व्रती माताओं एवं बहनों की अटूट श्रद्धा, कठिन तपस्या और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

छठ पूजा के अवसर पर सभी छठ घाटों पर भक्तिमय माहौल देखने को मिला। पारंपरिक छठ गीतों, पूजा-अर्चना और छठी मैया के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित कर अपने परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक, आयोजन समिति के पदाधिकारी, कांग्रेसजन एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं का सम्मान कर पुरन्दर मिश्रा ने बढ़ाया उत्साह

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर के कचहरी चौक स्थित बाल आश्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका सम्मान समारोह में रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को सम्मानित कर उनके सेवाभाव, समर्पण एवं योगदान की सराहना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं समाज की आधारशिला को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं की देखभाल में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करती हैं।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं केवल अपने दायित्वों का निर्वहन ही नहीं करतीं, बल्कि एक स्वस्थ, शिक्षित और सशक्त समाज के



निर्माण में भी अपनी अहम भूमिका निभाती हैं। उनका कार्य सेवा, समर्पण और जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

विधायक श्री मिश्रा ने सभी सम्मानित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को बधाई देते हुए कहा कि उनके परिश्रम और योगदान को उचित सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर बेहतर कार्य करने की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती सीमा संतोष साहू जी,महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बाल दिवस, बच्चों को बांटे गए उपहार एवं चॉकलेट

आरंग (विश्व परिवार)। स्थानीय प्राचीन श्री दुलारा बाईजीजे, अमान सिंह द्वारा सन् 1896 में स्थापित श्री राधाकृष्ण मंदिर ट्रस्ट से संबद्ध श्री राधाकृष्ण विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंग में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के उपलक्ष्य पर बाल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के प्रति प्रेम, स्नेह और उनके सर्वांगीण विकास के महत्व को प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों कोविभिन्न प्रकार के खेल एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया , बच्चों का उत्साह देखते ही



बनती थी द्य विभिन्न प्रकार के उपहार एवं चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा केजी-1 हिंदी माध्यम के विद्यार्थी विनीत कंडरा ने पंडित जवाहरलाल नेहरू का वेश धारण कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। नेहरू जी के रूप में विनीत ने अपने बाल सुलभ अंदाज में कहा, मैं नेहरू जी बना हूं। मुझे गुलाब बहुत पसंद है और मुझे बच्चों से बहुत प्यार है। उसकी इस मनमोहक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती निशा श्रीवास्तव जी, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनके अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानना, उन्हें सही मार्गदर्शन देना और उनके सपनों को प्रोत्साहित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बच्चों को जिज्ञासु बने रहने, खूब सीखने, अनुशासन अपनाने तथा अच्छे संस्कारों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साथ ही बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और उत्साह के साथ हुआ।

छठ महापर्व की आस्था के साथ प्रकृति की रक्षा भी हमारा धर्म : आदित्य राजे

रायपुर (विश्व परिवार)। छठ महापर्व के अवसर पर रायपुर के 13 वर्षीय बाल पर्यावरणविद् आदित्य राजे सिंह ने श्रद्धालुओं से छठी मैया की आराधना के साथ नदियों, जलाशयों एवं छठ घाटों को स्वच्छ रखने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि छठी मैया को प्रकृति की देवी माना जाता है। सूर्यदेव एवं छठी मैया की उपासना हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी का भी संदेश देती है। श्रद्धालु नदियों में प्लास्टिक, कचरा एवं पूजन सामग्री न डालें तथा घाटों की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

आदित्य राजे ने कहा, सच्ची आस्था तभी सार्थक होगी, जब हम प्रकृति का सम्मान करेंगे। स्वच्छ नदियां और प्रदूषणमुक्त



घाट भी हमारी पूजा का हिस्सा होने चाहिए।

आदित्य राजे सिंह पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्हें पर्यावरण विषय में विश्व के सबसे कम उम्र के पीएचडी धारक के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त है। वे पौधारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता अभियानों के माध्यम से निरंतर योगदान दे रहे हैं।

आबकारी विभाग के ओवर रेटिंग और वसूली तंत्र की भेंट चढ़ा मैदानी कर्मचारी

■ यह आत्महत्या नहीं भ्रष्ट सिस्टम द्वारा की गई हत्या है : दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। आबकारी विभाग और सरकारी शराब दुकानों में जारी भ्रष्टाचार एवं वसूली के तांडव ने एक होनहार युवक की जान ले ली है। आज रायपुर से आई यह खबर बेहद झकझोर देने वाली है कि सिलतरा रायपुर के सरकारी शराब दुकान के सुपरवाइजर प्रशांत वर्मा ने जोनल आबकारी अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाकर अपनी जान दे दी। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ की शराब दुकानों में भाजपा सरकार के संरक्षण में ओवर-रेटिंग और अवैध वसूली का खेल किस हद तक खतरनाक रूप ले चुका है। ऊपर बैठे अधिकारी वसूली का भारी दबाव बना रहे हैं, जिससे मजबूर होकर कर्मचारियों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पड़ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इस पूरे मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच और दोषी जोनल अधिकारियों पर तत्काल हत्या व भ्रष्टाचार का मामला दर्ज करने की मांग करती है।



प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश में शराब धड़ल्ले से ओवर रेट में बेची जा रही है। इस पूरे खेल को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। शराब की ओवर रेंटिंग सरकार में बैठे हुये लोग करा रहे है। हर ब्रांड की शराब में 10 से 60 रू. तक प्रति बोतल वसूला जा रहा था। शराब के काऊंटर में बैठे लोग दावा कर रहे है कि शराब का पैसा ऊपर तक जा रहा था। यह मामला मीडिया मे आया और जनता ने विरोध किया तब जाकर कुछ अधिकारियों को सस्पेंड करने की कार्यवाही की गयी। अधिकारी तो सरकार के निर्देश पर काम कर रहे थे उन्हे बलि का बकरा बना दिया गया। सरकारी आंकड़ों में प्रतिदिन शराब का विक्रय 28 लाख 65 हजार बोतल है, हर बोतल में 10 से 60 रू. अधिक वसूला जा रहा है।

किरण देव ने वरिष्ठ पत्रकार मित्तल की माताजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने प्रमुख समाचार चैनल आईबीसी-24 के एडिटर-इन-चीफ रविकांत मित्तल की माताजी कुसुमलता मित्तल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने अपने शोक संदेश में कहा कि आईबीसी-24 के संपादक रविकांत मित्तल एवं ऋषिकांत मित्तल की माताजी व जगदीश प्रसाद मित्तल की धर्मपत्नी कुसुमलता मित्तल के स्वर्गवास का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। माता का साया सिर से उठना जीवन की सबसे बड़ी और अपूरणीय क्षति होती है। श्री देव ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि परमपिता परमेश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल मित्तल परिवार को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

शिक्षा से ही आदिवासी समाज का उज्जवल भविष्य, एकता और विकास से मजबूत होगी पहचान : सांसद बृजमोहन अग्रवाल

■ बलौदाबाजार मे जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन



बलौदाबाजार-भाटापारा (विश्व परिवार)। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सोमवार को बलौदाबाजार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

सांसद श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में आदिवासी समाज की एकता, संस्कृति और विकास पर जोर देते हुए कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए नई पीढ़ी को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा आदिवासी समाज के बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह और वीर गुंडाधुर जैसे महान जननायकों के संघर्ष और बलिदान की गाथाएँ समाज के हर बच्चे तक पहुँचनी चाहिए, ताकि नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास, पूर्वजों और संस्कृति पर गर्व कर सके।

श्री अग्रवाल ने आदिवासी समाज की अलग-अलग आस्थाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान का सम्मान करते हुए एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने नक्सलवाद को आदिवासी अंचलों के विकास की बड़ी बाधा बताते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद के समूल खात्मे की दिशा में निर्णायक प्रयास किए हैं। अपनी राह से भटके युवाओं को समाज की मुख्यधारा में वापस लाने और उनके पुनर्वास के लिए भी अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। माओवादी आंदोलन से जुड़े युवाओं को सम्मानजनक जीवन, विकास के अवसर और बेहतर भविष्य उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।





प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354